A Daily News Magazine
भोपाल
शनिवार, 23 नवंबर, 2024

सुबह सवेरे

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष -22 अंक-84 नगर संस्करण, पृष्ठ -8, मूल्य रू.- 2 (डाक पंजीयन संख्याः म.प्र./भोपाल/4-391/2018-20)

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

अडानी केसः हिंडनबर्ग रिपोर्ट से भी गंभीर यूएस मामला क्यों है?

विश्लेषण

अडानी समूह अमेरिका में बड़े रिश्वतखोरी के आरोपों से हिल गया है। अमेरिका स्थित शॉर्ट-सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च ने 22 महीने पहले अडानी समूह पर भारतीय निवेशकों से हेराफेरी का आरोप लगाया था। उसके बाद यह बड़ा मामला सामने आया है। उस समय अडानी समूह पर लगे आरोपों को खारिज कर दिया गया था और भारत का सत्ता केंद्र अडानी के साथ खड़ा नजर आया था। लेकिन इस बार मामला उससे कहीं अधिक गंभीर है। और उसकी वजहें भी खास हैं।

अमेरिकी अदालतों पर वहां की सत्ता का मामूली अंकुश या जुगाड़ कहीं से भी काम नहीं करता। भारत सरकार अगर यूएस प्रशासन को प्रभावित करके यूएस अदालतत पर कोई दबाव बनाना या फेवर लेना चाहेगी तो भी कहीं से कोई मदद नहीं मिलने वाली। अमेरिकी जिला अदालत, ब्रूकलिन में दायर किए गए नए आरोप कहीं अधिक गंभीर हैं क्योंकि बातचीत और अन्य सामग्री रिकॉर्ड से जुड़े दस्तावेज दिखाते हैं कि अमेरिकी निवेशकों से जुटाए गए धन का इस्तेमाल कथित तौर पर भारत में सरकारी अधिकारियों को रिश्वत देने के लिए किया गया था। हिंडनबर्ग मामला काफी हद तक कथित स्टॉक-हेरफेर, संबंधित लेनदेन और स्टॉक मैन्युपुलेशन के आरोपों तक ही सीमित था।

अमेरिका के ब्रूकलिन में फेडरल कोर्ट में पांच मामलों में आपराधिक मुकदमा चलाया गया है। यानी सिर्फ एक-दो मामला अडानी समूह के खिलाफ वहां नहीं है। इन मामलों में अडानी ग्रीन एनर्जी के अधिकारियों गौतम एस. अडानी, सागर आर. अडानी और विनीत एस. जैन पर प्रतिभूतियों (सिक्योरटीज) और मूल प्रतिभूतियों की साजिश रचने का आरोप लगाया गया है। इसमें झूठे और भ्रामक बयानों के आधार पर अमेरिकी निवेशकों और ग्लोबल वित्तीय संस्थानों से धन प्राप्त करने के लिए कई अरब डॉलर की योजना में उनकी भूमिका के लिए धोखाधड़ी का भी आरोप है। यानी अमेरिकी निवेशकों से तो धोखाधड़ी की ही गई है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थाओं से धन या लोन पाने के लिए भी हाई क्लास धोखाधड़ी का आरोप है।

इन मामलों में न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज पर कारोबार करने वाली प्रतिभूतियों वाली एक नवीकरणीय-ऊर्जा कंपनी के पूर्व अधिकारियों रंजीत गुप्ता और रूपेश अग्रवाल और एक कनाडाई कंपनी के पूर्व कर्मचारियों सिरिल कैबेन्स, सौरभ अग्रवाल और दीपक मल्होत्रा पर भी आरोप लगाया गया है। इस मामले में संस्थागत निवेशक गौतम एस. अडानी, सागर आर. अडानी और विनीत एस. जैन पर विदेशी भ्रष्ट आचरण अधिनियम का उल्लंघन करने की साजिश का आरोप है। यानी इस मामले में गौतम अडानी का नाम सीधे आया है। गौतम अडानी भारत में अडानी समूह के मालिक हैं।

अमेरिकी अदालत में आरोप लगाया गया कि आरोपियों ने अरबों डॉलर की बिजली परियोजना का कॉन्ट्रैक्ट हासिल करने के लिए भारत सरकार के अधिकारियों को रिश्वत देने की एक बड़ी योजना को अंजाम दिया। गौतम एस. अडानी, सागर आर. अडानी और विनीत एस. जैन ने रिश्वत देने की इस पेशकश के बारे में न सिर्फ अमेरिकी निवेशकों बल्कि अंतरराष्ट्रीय निवेशकों से भी झूठ बोला, क्योंकि वे पूंजी जुटाने की कोशिश कर रहे थे। इस अभियोग में भारत सरकार के अधिकारियों को 250 मिलियन डॉलर यानी 2000 करोड़ से अधिक की रिश्वत देने, निवेशकों और बैंकों से झूठ बोलकर अरबों डॉलर जुटाने और न्याय में बाधा डालने की योजनाओं का आरोप लगाया इन लोगों पर लगाया गया है। यानी भारत का सबसे अमीर शख्स और दुनिया के अमीरों की सूची में शामिल शख्स रिश्वत देने के इतने बड़े आरोप का सामना करेगा।

अमेरिकी निवेशकों की कीमत पर भ्रष्टाचार और धोखाधड़ी के जरिए बड़े पैमाने पावर सप्लाई कॉन्ट्रैक्ट प्राप्त किए गए। अमेरिकी कोर्ट की फाइलिंग में कहा गया कि 'ये अपराध कथित तौर पर वरिष्ठ अधिकारियों और निदेशकों ने किए हैं। क्रिमिनल डिवीजन अमेरिकी कानून का उल्लंघन करने वाले भ्रष्ट, भ्रामक और अवरोधक आचरण दुनिया के किसी भी कोने में किया गया हो, मुकदमा चलना जारी रखेगा।'

एफबीआई के प्रभारी सहायक निदेशक डेनेही ने कोर्ट फाइलिंग में कहा कि 'गौतम एस. अडानी और उनके सात अन्य व्यावसायिक अधिकारियों ने कथित तौर पर अपने कारोबार को फायदा पहुंचाने के लिए भारत सरकार के अधिकारियों को रिश्वत दी। अडानी और अन्य आरोपियों ने भी रिश्वतखोरी और भ्रष्टाचार के बारे में झूठे बयानों के आधार पर पूंजी जुटाकर निवेशकों को धोखा दिया, जबकि अन्य आरोपियों ने कथित तौर पर सरकार की जांच में बाधा डालकर रिश्वतखोरी की साजिश को छिपाने का प्रयास किया।' एफबीआई ने कहा कि इस मामले में जांच चाहे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर करना पड़े, उसका मिशन जारी रहेगा।'

अमेरिकी कोर्ट को बताया गया कि कई मौकों पर, गौतम एस. अडानी ने रिश्वत योजना को आगे बढ़ाने के लिए व्यक्तिगत रूप से भारत सरकार के एक अधिकारी से मुलाकात की। फिर अन्य आरोपियों ने इसे लागू करने के विभिन्न पहलुओं पर बातचीत करने के लिए एक-दूसरे के साथ व्यक्तिगत बैठकें कीं। इसमें कहा गया है कि आरोपी अक्सर रिश्वत योजना को आगे बढ़ाने के अपने प्रयासों पर चर्चा करते थे, जिसमें इलेक्ट्रॉनिक मैसेजिंग एप्लिकेशन भी शामिल था।

हैरान करने वाली बात अमेरिकी कोर्ट को बताई गई कि इन आरोपियों ने भारतीय अधिकारियों को रिश्वत देने का सबूत भी अपने पास रखा। यानी जिसे रिश्वत दी, उसका रेकॉर्ड अपने पास रखा। एफबीआई ने इसे ट्रैक किया है। सागर आर. अडानी ने सरकारी अधिकारियों को दी गई और दिए गए रिश्वत के विशिष्ट विवरण को ट्रैक करने के लिए अपने सेल्युलर फोन का उपयोग किया।

विनीत एस. जैन ने अपने सेल्यूलर फोन का इस्तेमाल एक दस्तावेज़ की तस्वीर खींचने के लिए किया जिसमें रिश्वत की विभिन्न रकमों का ब्यौरा दिया गया था।

रूपेश अग्रवाल ने पावरपॉइंट और एक्सेल का उपयोग करके दी गई रिश्वत का कई विश्लेषण तैयार किया और अन्य आरोपियों को बांटा। जिसमें रिश्वत भुगतान देने और छिपाने के विभिन्न विकल्पों का ब्यौरा दिया गया था।

(सत्य हिंदी में प्रकाशित रिपोर्ट के संपादित अंश)

अब चीन सीमा तक दौड़ेगी भारतीय रेल!

- भविष्य की तैयारी में जुटा है इंडियन रेलवे, बनाया बड़ा प्लान
- उत्तराखंड में 169 किमी रूट पर पिलर लगाने का काम किया शुरू
- सेना भी चंद घंटों में सीमा पर सप्लाई पहुंचा सकेगी, बढ़ेगी सुविधा

देहरादून (एजेंसी)। लद्दाख में चीन के साथ तनाव भले ही घट रहा हो, लेकिन भारत भविष्य की तैयारियों पर काम तेज कर चुका है। इसी क्रम में जल्द ही आपको उत्तराखंड में चीन सीमा तक भारतीय रेल दौड़ती नजर आएगी। इसे चंपावत जिले के टनकपुर से बागेश्वर के बीच बनाया जाना है। इस 169 किमी लंबी रेल लाइन के लिए सर्वे का काम लगभग पूरा हो चुका है। यह रेल लाइन उच्च हिमालय के पहाड़ों के बीच से गुजरते हुए चीन सीमा से लगते पिथौरागढ़ और बागेश्वर तक जाएगी।

रेलवे के जनसंपर्क अधिकारी राजेंद्र सिंह के मुताबिक नई रेल लाइन रणनीतिक रूप से बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि पिथौरागढ़ जिला नेपाल व चीन के साथ अंतरराष्ट्रीय सीमा से जुड़ा है। टनकपुर भारत-नेपाल सीमा से लगता इलाका है और यह उत्तराखंड में नेपाल सीमा पर भारत का आखिरी रेलवे स्टेशन भी है। इस रूट पर सर्वे के साथ

पिलर लगाने का काम शुरू हो चुका है। पिथौरागढ़ जिले के उच्च हिमालय वाले इलाकों में चीन तक पहुंचने के लिए 5 दर्रे हैं। इनमें लम्पिया धुरा, लेविधुरा, लिपुलेख, ऊंटा जयंती व दारमा दर्रे हैं। ये सभी करीब 5 हजार मीटर से अधिक ऊंचाई पर स्थित हैं।

- **अंग्रेजों ने भी 150 साल पहले रेल लाइन का सर्वे किया था**– उत्तराखंड के इस इलाके का सामरिक व व्यापारिक महत्व सदियों से रहा है, क्योंकि इन सीमांत जिलों के लोग तिब्बत के साथ सीमा व्यापार करते रहे हैं। इसलिए अंग्रेजों ने भी 1882 में पहली बार टनकपुर–बागेश्वर रेल लाइन का सर्वे किया था। उनके सर्वे प्लान के रूट मैप पर ही नए सिरे से सर्वे किया गया। यहां दिसंबर से पटरियां बिछेंगी। 125 किमी रूट पर 85 किमी में टनल खुदाई हो चुकी है। रेल विकास निगम के प्रबंधक अजीत सिंह यादव के मुताबिक 16 किमी टनल और खुदना है। यह काम मार्च 2025 तक पूरा होना है। यह रूट ब्लास्ट लेस तकनीक पर बना है। इस पर हाई स्पीड बुलेट ट्रेन भी दौड़ेगी।

पंजाब सीएम के सलाहकार की नियुक्ति की चर्चा पर बवाल

सांसद मालीवाल बोलीं-

- मुझे पीटने वाले विभव को मिला ईनाम, कांग्रेस ने कहा-जवाब देना चाहिए

जालंधर (एजेंसी)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के मुख्य सलाहकार के तौर पर विभव कुमार की नियुक्ति की चर्चाओं के बीच पंजाब की राजनीति में उथल-पुथल शुरू हो गई है। दिल्ली की सांसद स्वाति मालीवाल ने कल यानी गुरुवार को कुमार की नियुक्ति को लेकर

पंजाब के मुख्यमंत्री और दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल पर सवाल उठाए। हालांकि, विभव कुमार की नियुक्ति को लेकर पंजाब सरकार की ओर से कोई औपचारिक पुष्टि नहीं की गई है जिसके बाद पंजाब कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और जालंधर कैंट से एमएलए परगट सिंह ने भी राज्य के मुख्यमंत्री, दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल पर सवाल खड़े किए और स्वाति मालिवाल के सवालों का जवाब देने को कहा।

एक और एक ग्यारह बनकर काम करेंगे मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र : सीएम यादव

सामाजिक व्यवस्थाओं को सुव्यवस्थित करने वाले डॉक्टर हैं श्री गड़करी जी

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि कृषि आधारित उद्योगों को घर-घर पहुंचाने के लिए मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र मिलकर काम करेंगे। एक और एक दो नहीं, एक और एक ग्यारह बनकर काम करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को नागपुर में आयोजित एग्रोविजन राष्ट्रीय कृषि मेले के शुभारंभ समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह मात्र मेला नहीं बल्कि यह भविष्य के सुशासन की समृद्धशाली भारत और प्रदेश के बनने की इसने नींव डाली है।

मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि केन्द्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गड़करी सामाजिक व्यवस्थाओं को सुव्यवस्थित करने वाले सिद्धहस्त डॉक्टर हैं। उन्होंने कहा कि ग्रामीण कृषि आधारित कामों के आधार पर प्रदेश की पहचान होती है। मैं तारीफ करता हूँ कि मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र सरकार घर-घर में कृषि आधारित मत्स्य पालन, पशुपालन, दुग्ध उत्पादन जैसे घरेलू उद्योगों को प्रोत्साहित कर रही हैं। उन्होंने कहा कि उत्पादन, उत्पादकता तक ही सीमित नहीं है, बल्कि उत्पादों के लिए पर्याप्त बाजार उपलब्ध कराने पर भी फोकस किया जा रहा है। मध्यप्रदेश के मंत्री एवं अधिकारियों का एक दल मेले के अवलोकन एवं अध्ययन के लिए भेजा जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि महाराष्ट्र में आकर ऐसा लगा जैसे मैं अपने घर आ गया हूँ। माता अहिल्या और महाराज सिंधिया की पृष्ठ भूमि महाराष्ट्र राज्य से जुड़ी हुई है। माता अहिल्या को मैं प्रणाम करता हूँ, जिन्होंने उस समय खेती के लिए सिंचाई व्यवस्था के रूप में कुओं का निर्माण करवाया।

गौ–पालन से बढ़ेगी आमदनी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार ने गौ-पालकों की आय बढ़ाने अनेक योजनाएं क्रियान्वित की हैं। उन्होंने कहा कि हम श्रीकृष्ण को मानने वाले हैं, जिनके घर गायें है वे गोपाल हैं और जिनके घर में गाय का कुल है वह घर गोकुल है। मराठी में बछड़े-बछिया को गौरा और गौरी कहते हैं। हमने गौ-पालकों को गाय के स्थान पर गौरी देने की योजना बनाई है।

कांजी हाउस की कैद से मिलेगी मुक्ति

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हम निराश्रित और ऐसी गायों को जिनकी दूध देने की क्षमता न्यून या शून्य हो गई है और गौ-पालकों ने उन्हें निराश्रित छोड़ दिया है, को आश्रय देने की दृष्टि से नगरीय क्षेत्रों में गौ-शालाओं का निर्माण करने जा रहे हैं। इस अनुक्रम में भोपाल में 10 हजार गायों की क्षमता वाली गौ-शाला का भूमि-पूजन होने जा रहा है। इससे सड़कों पर निराश्रित गौ-वंशों से होने वाली दुर्घटनाओं पर भी अंकुश लगेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने मध्यप्रदेश में कांजी हाउस, खेड़ा जैसे कैद खानों को भी बंद करने का निर्णय लिया है।

सुप्रभात

तुम ही चाहते थे न
कि घड़ी दो घड़ी ही सही
मैं ठहर जाऊँ
तुम्हारे एहसासों को
अपनी स्मृति के भीतर
कहीं सहेज पाऊँ
गर रख लेते मान
तुम भी मेरी प्रतीक्षा का
जो है दुखद विशाल
तो आज भी न समय
रीता बहता मेरा
जो बीता इस अंतराल
अस्तु ! मुझे जाना होगा
प्रिय ! पर इतना
फिर भी जान लो
हृदय की मेरे ली है
जैसी कठिन परीक्षा
तुमने
उससे थी कहीं विशाल
मेरे नेत्रों की ईक्षा
न जाना तुमने...।

– प्रतीक्षा विशाल

कश्मीरी पंडितों की दुकानों पर हुआ बुलडोजर ऐक्शन

- जम्मू में बिना कोई नोटिस दिए ढहाई गई 10 दुकानें

जम्मू (एजेंसी)। विस्थापित कश्मीरी पंडितों की दुकानों को जम्मू विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने बुलडोजर चला दिया। इस कार्रवाई के बाद लोग विरोध कर रहे हैं और अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। लोगों का कहना है कि दुकानों को बिना नोटिस दिए ढहा दिया गया। यह घटना बुधवार को हुई, जब जम्मू शहर में मुठी कैंप के पास स्थित कश्मीरी पंडितों की दर्जन भर दुकानों को जेडीए ने ढहा दिया। ये दुकानें लगभग तीन दशक पहले विस्थापित कश्मीरी पंडितों ने बनाई

थीं। जेडीए का कहना है कि दुकानें उनकी जमीन पर बनी थीं। वहीं आयुक्त अरविंद करवानी ने घटनास्थल का दौरा किया और प्रभावित परिवारों को आश्वासन दिया कि उनके लिए क्षेत्र में नई दुकानें बनाई जाएंगी। उन्होंने कहा कि ये दुकानें जेडीए की जमीन पर थीं। राहत संगठन ने मुठी कैंप फेज-2 में एक शॉपिंग कॉम्प्लेक्स बनाने के लिए टेंडर जारी किए हैं। जल्द ही 10 दुकानें बनाकर इन दुकानदारों को आवंटित कर दी जाएंगी।

छत्तीसगढ़ के सुकमा में मारे गए 10 नक्सली

- सभी के शव और 3 ऑटोमैटिक हथियार बरामद
- जनवरी से अब तक 207 नक्सली हो गए ढेर

जगदलपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में सुरक्षाबलों ने 10 नक्सलियों को मार गिराया है। मौके से सभी के शव और 3 ऑटोमैटिक हथियार बरामद किए गए हैं। भेज्जी के दंतेसपुरम, कोराजुगुड़ा, नागाराम के जंगल में डीआरजी और सीआरपीएफ की कोंटा और किस्टाराम एरिया कमेटी के नक्सलियों के साथ मुठभेड़ हुई। इलाके में सर्चिंग जारी है। इस साल 1 जनवरी से 22 नवंबर तक 207 नक्सली मारे गए हैं। बस्तर आईजी सुंददराज पी ने कहा कि इस मुठभेड़ में एके-47, इंसास, और कारतूस समेत अन्य हथियार भी बरामद किए गए हैं।

सुकमा के एसपी किरण चव्हाण ने इसे बड़ी सफलता बताया। जवान मौके पर ही हैं। लौटेंगे तो ज्यादा जानकारी मिलेगी। सुरक्षाबलों को सूचना मिली थी कि भेज्जी के जंगल में नक्सलियों का जमावड़ा है। इसके बाद जवानों को रवाना किया गया, जहां नक्सलियों से मुठभेड़ हो गई।

एक दिन पहले ही भारी संख्या में नक्सली ओडिशा के रास्ते बॉर्डर में घुसे थे। इस दौरान ओडिशा पुलिस के साथ मुठभेड़ भी हुई थी। इसमें एक नक्सली मारा गया था, वहीं एक जवान घायल हुआ था। इसके बाद छत्तीसगढ़ फोर्स अलर्ट पर थी। ओडिशा और गरियाबंद से सटे उदंती अभ्यारण्य जंगल में गुरुवार को भी पुलिस-नक्सली मुठभेड़ हुई थी।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 23 °c

न्यूनतम 18°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ शनिवार, 23 नवंबर 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने कलेक्टर-कमिश्नर कॉन्फ्रेंस में अधिकारियों के साथ बैठक की।

डॉ. जवाहर कर्नावट लिस्बन विवि पुर्तगाल में व्याख्यान हेतु आमंत्रित

भोपाल। भारत सरकार द्वारा विश्व हिंदी सम्मान से अलंकृत प्रदेश के सुप्रसिद्ध लेखक तथा वक्ता डॉ. जवाहर कर्नावट को

लिस्बन विश्वविद्यालय, पुर्तगाल के भारतीय अध्ययन केंद्र द्वारा 28 - 29 नवंबर 2024 को आयोजित अंतरराष्ट्रीय सेमिनार में व्याख्यान हेतु आमंत्रित किया गया है। डॉ. कर्नावट इस सेमिनार में ' यूनेस्को की भाषा नीति और वैश्विक भाषाई परिदृश्य ' विषय पर अपने विचार व्यक्त करेंगे । इस सेमिनार में यूरोप ,एशिया और उत्तरी अमेरिका महाद्वीप के अनेक विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधि भी हिस्सेदारी करेंगे। डॉ. कर्नावट अपने शोध कार्य के संबंध में तुर्की और बहरीन की शैक्षणिक यात्रा भी करेंगे।

संक्षिप्त समाचार

प्रत्यर्पण से बचने सुप्रीम कोर्ट पहुंचा तहव्वुर राणा

मुंबई हमले की फंडिंग का आरोप

वॉशिंगटन (एजेंसी)। मुंबई में 26 नवंबर 2008 को हुए आतंकी हमले के आरोपी तहव्वुर राणा ने भारत प्रत्यर्पण के खिलाफ अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट में अपील की है। इसी साल 15 अगस्त को अमेरिकी फेडरल कोर्ट ने भारत-अमेरिका प्रत्यर्पण संधि के तहत तहव्वुर को भारत भेजे जाने का फैसला सुनाया था। इस फैसले के

खिलाफ ही राणा सुप्रीम कोर्ट पहुंचा है। पाकिस्तानी मूल के कनाडाई बिजनेसमैन राणा ने पिछले साल फेडरल कोर्ट नाइंथ सर्किट में एक याचिका दायर की थी। उसने गुहार लगाई थी कि सुनवाई तक उसे भारत को न सौंपा जाए, जिसे खारिज कर दिया गया था। अमेरिकी अदालत ने याचिका को खारिज किया था।

भारतीयों की सुरक्षा पर कनाडा सरकार का यूटर्न

एक दिन में ही बदला रुख

ओटावा (एजेंसी)। कनाडा ने भारत जाने वाले यात्रियों की अतिरिक्त जांच के अपने फैसले को वापस ले लिया है। कनाडा की ट्रांसपोर्ट मंत्री अनीता आनंद के कार्यालय ने गुरुवार को सीबीसी न्यूज को बताया कि उन प्रतिबंधों को हटा दिया गया है। नए नियम पिछले सप्ताह ही लागू किए गए थे। कनाडा ने सोमवार को कहा

था कि भारत जाने वाले यात्रियों के लिए अत्यधिक सावधानी बरती जा रही है। एयर कनाडा ने भारत जाने वाले यात्रियों के लिए एक नोटिस भी जारी किया था। नोटिस में कहा गया था, भारत जाने वाले सभी यात्रियों के लिए सुरक्षा संबंधी कड़े आदेशों के कारण आपकी आगामी फ्लाइट के लिए प्रतीक्षा समय अपेक्षा से अधिक होने की उम्मीद है।

कुरुक्षेत्र में 18 दिनों तक चलेगा अंतरराष्ट्रीय गीता जयंती महोत्सव

मुख्यमंत्री सैनी ने दी जानकारी

पंचकूला (एजेंसी)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने चंडीगढ़ में प्रेसवार्ता कर अंतरराष्ट्रीय गीता जयंती महोत्सव के कार्यक्रम की घोषणा की। इस मौके पर ओडिशा के कैबिनेट मंत्री सूर्यवंशी सूरज और तंजानिया की हाई कमिश्नर अनीशा और स्वामी ज्ञानानंद भी

मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव का इस बार 28 नवंबर से 15 दिसंबर तक आयोजन होगा। यह आयोजन 18 दिन तक चलेगा। 2016 से यह महोत्सव चल रहा है। इस महोत्सव में लाखों की संख्या में श्रद्धालु यहां आते हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि इस मेले को देश विदेश में लोकप्रियता मिली है। 2023 में इस महोत्सव में 45 लाख लोगों ने 18 अलग-अलग दिनों में हिस्सेदारी की थी।

खुशी और उल्लास ने मजमुई शादी को ऐतिहासिक बना दिया

इब्राहिम रिज़वी

बड़वानी। स्थानीय बोहरा समाज ने अपने माथे पर सफलता का एक और साफा बांध लिया। निमाड़ में मजमुई शादी का यह कार्यक्रम एक मिसाल बन गया। ऐसा लगा मानों घर में ब्याह है और समाज के लोग और सामाजिक संस्थाओं की टीम उसी तरह खाना-पीना छोड़कर भिड़ी थी। समाज के संस्थाओं के प्रमुख के साथ, सदस्यों से लेकर बच्चों के मिले-जुले प्रयासों से यह सफलता हासिल हुई। और जब नेतृत्व कर्ता कुशल हो तो आधी सफलता कार्य के पहले ही संपन्न हो जाती है। बुधवार और गुरुवार को बुरहानी बाग में मजमुई (सामूहिक) शादी संपन्न हुई। सय्यदना मुफद्दल सैफुद्दीन मौला की दुआ और रजा की बरकत से आमिल साहब शेख़ शब्बीर भाई के साथ अंजुमन ए नजमी जमात और शहर की तमाम संस्थाओं के खिदमतगुजारों ने दिन रात एक कर मजमुई शादी समारोह को न केवल सफल बनाया बल्कि इसे शोहरत की बुलंदी पर पहुंचा दिया।

सय्यदना साहब की मंशा कि समाज के अधिक से अधिक जोड़े सामुहिक शादी के कार्यक्रम में शामिल हो इसीलिए आप जहां पधारते हैं वहां पर फिजूलखर्ची और विवाह में बढ़ते हुए खर्च से आर्थिक परेशानी का सामना ना करना पड़े इसी उद्देश्य से मजमुई शादी

को बढ़ावा दिया जा रहा है।

6 जोड़े की शादी समारोह का हर कार्यक्रम और रस्में सभी उम्मीद से अच्छी हुई। टेंट से लेकर नाश्ता हो या भोजन, या फिर शहरगस्त हर चीजें तय समय पर और खूबी के साथ हुई और यह टीमवर्क के साथ शानदार नेतृत्व की वजह से पूर्ण हुआ।

जैनी और तय्यबी स्काउट बैंड पर अनुशासन के साथ चलते स्काउट दल के सदस्य, आकर्षक आतिशबाज़ी, सजीला शामियाना और खुबसूरत मंच ने इस कार्यक्रम को चार चांद लगा दिए।

बोहरा समाज के 53वे दाई डॉ. सय्यदना मुफद्दल सैफुद्दीन मौला के मई 2023 में बड़वानी में ऐतिहासिक सफर में भी यहां जिस तरह अनुशासन और मेहमाननवाजी के साथ मील का पत्थर बनाया था उसी माईल स्टोन से आगे बढ़ते हुए लगातार दूसरे वर्ष मजमुई शादी को ऐतिहासिक बना दिया। अंजुमन ए नजमी जमात,टीसीएन कमेटी, बुरहानी गार्ड्स, बुरहानी वीमेन, सुजाई कमेटी,हिज्बे मिनी जमाली, बुरहानी वर्किंग कमेटी,बुनय्याद इदिज्जहाबी, सबील ए हुसैन कमेटी, शबाब इदिज्जहाबी,नजाफत कमेटी, सक्काए अब्बास कमेटी,अली ग्रुप ,एफ एम बी कमेटी, दाना कमेटी, हिज्बे जमाली,हिज्बे सैफी कमेटी के सभी साथियों ने दिन रात एक कर कार्यक्रम को सफलता के शिखर पर पहुंचाया।

सर्द हवाओं से दिल्ली और राजस्थान में छूटी कंपकंपी

सावधान ! कश्मीर में -16 डिग्री तक गिरा तापमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। मौसम तेजी से करवट ले रहा है। उत्तर भारत समेत देश के कई हिस्सों में ठंड बढ़ती जा रही है। हल्की ठंडी हवाएं तो अब सुबह और शाम के वक्त कंपकंपी छुड़ाने लगी हैं। राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में शुक्रवार सुबह धुंध छाई रही और न्यूनतम तापमान 11.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वायु गुणवत्ता 'बेहद खराब' श्रेणी में बनी रही और वायु गुणवत्ता सूचकांक 373 दर्ज किया गया। दिल्ली के 38 निगरानी केंद्रों में से 9 में एक्यूआई 'गंभीर' श्रेणी में दर्ज किया गया। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के मुताबिक, ये केंद्र आनंद विहार, बवाना, जहांगीरपुरी, मुंडका, नेहरू नगर, शादीपुर, सोनिया विहार, विवेक विहार और वजीरपुर हैं। 400 या इससे अधिक एक्यूआई को 'गंभीर' श्रेणी में माना जाता है और इससे स्वास्थ्य को गंभीर खतरा हो सकता है। दिल्ली की वायु गुणवत्ता रविवार को पहली बार 'अत्यंत गंभीर' श्रेणी को पार कर गई, जिसके बाद सोमवार सुबह ग्रेडेड रेस्पांस एक्शन प्लान (ग्रैप) के तहत चरण चार के प्रतिबंध लागू किए गए। राजस्थान में भी सर्दी ने धीरे-धीरे असर दिखाना शुरू कर दिया है। प्रदेश के लगभग सभी जिलों में ठंडी हवाएं चल रही हैं जिससे लोगों की कंपकंपी छूटने लगी है।

मणिपुर हिंसा के बाद सुरक्षा को लेकर ऐक्टिव हुए मंत्री

घर को कंटीले तारों से घेरा, कहा-संपत्ति की सुरक्षा करना सबको संवैधानिक हक

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर के फूड और पब्लिक डिस्ट्रीब्यूशन मिनिस्टर एल सुसींद्रो मैतेई ने अपने घर को कंटीले तारों और लोहे के जाल से घेर दिया है। उन्होंने कहा कि 3 मई से अब तक मेरे घर पर 3 बार हमला हुआ है। अगर उपद्रवी मेरे घर पर हमला करते हैं तो अपनी जिंदगी और प्रॉपर्टी की रक्षा करना हमारा संवैधानिक अधिकार है। 16 नवंबर को उपद्रवियों ने 3 मंत्रियों और 9 विधायकों के घर हमला किया था। इनमें सुसींद्रो का घर भी शामिल था। वाहनों में आग लगाई और फायरिंग भी की थी। सुसींद्रो ने मणिपुर हिंसा के बीच अपने घर पर वेपंस ड्रॉप बॉक्स

बनाया था, ताकि उपद्रवी लूटे हुए हथियारों का वहां समर्पण कर सकें। हालांकि, एक बार फिर हमलावर उनके घर से हथियार लूट ले गए हैं। 3000 लोगों ने घर पर हमला किया था- सुसींद्रो सुसींद्रो ने बताया,16 नवंबर को मेरे घर पर उपद्रवी आए, उनके पास इलेक्ट्रिक ड्रिल और हथौड़े थे। वे लूटपाट करने के लिए आए थे। मैं उस दिन घर पर नहीं था। दोपहर में बड़ी संख्या में महिलाएं और बुजुर्ग आए थे। उन्होंने मेरे

परिवार से बात की और फिर चले गए। शाम साढ़े छह बजे करीब 3 हजार लोगों की भीड़ आई, इनमें ज्यादातर पुरुष थे। उन्होंने मेरे घर पर गोलियां दागीं। मैंने अपनी सिक्योरिटी से कहा कि भीड़ को कोई नुकसान नहीं पहुंचना चाहिए। सिक्योरिटी फोर्सेस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए हवाई फायरिंग की।

विधायक के घरों से लूटे डेढ़ करोड़ के जेवर विधायकों के घरों पर हमले के दौरान 1.5 करोड़ रुपए के जेवर लूटे जाने का खुलासा हुआ है। जदयू विधायक के. जॉयकिशन सिंह की मां ने पुलिस में इसकी शिकायत दर्ज कराई है। तोड़फोड़ करने वाली भीड़ ने थांगमेइबंद इलाके में विधायक के आवास से 18 लाख रुपए नकद भी लूट लिए। विस्थापितों के लिए रखे कई सामान भी नष्ट कर दिए।

प्रदूषण पर दिल्ली सरकार को सुप्रीम कोर्ट ने दिखाया 'आईना'

सभी 113 प्रवेश बिंदुओं पर तुरंत चेकपॉइंट स्थापित करने का दिया निर्देश

दिल्ली सरकार के जवाब से असंतुष्ट उच्च अदालत ने लगाई जमकर फटकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण पर शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। शीर्ष अदालत ने दिल्ली सरकार को इस मामले में फटकार लगाई है। कोर्ट सुनवाई के दौरान सरकार के दिए हलफनामे से भी संतुष्ट नहीं दिखा। कोर्ट ने ग्रैप-4 के दो बिंदुओं पर भी असंतुष्टता जताई है। इसके अलावा अदालत ने एंट्री प्वाइंट्स पर भी सवाल उठाया है। कोर्ट ने दिल्ली सरकार को निर्देश दिया है कि वह सभी 113 बिंदुओं पर तुरंत चेकपॉइंट स्थापित करें। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली में भयानक रूप ले रहे प्रदूषण पर आज चिंता व्यक्त करते हुए कुछ दिशानिर्देश दिए हैं। कोर्ट ने कहा कि वे दिल्ली में प्रवेश के सभी 113 बिंदुओं पर तुरंत चेकपॉइंट स्थापित करें।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि प्रवेश बिंदुओं पर तैनात कर्मियों को आवश्यक वस्तुओं के अंतर्गत स्वीकार्य वस्तुओं के बारे में स्पष्ट रूप से जानकारी दी जानी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि 113 प्रवेश बिंदुओं में से 13 प्रमुख प्रवेश बिंदुओं पर निगरानी रखी जाती है ताकि अनुपालन सुनिश्चित किया जा सके। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि लगभग 100 प्रवेश बिंदु मानव रहित हैं और ट्रकों के प्रवेश की जांच करने वाला कोई नहीं है।

नेतन्याहू पर 'आपस' में ही बंट गए पश्चिमी देश

कोर्ट से गिरफ्तारी वारंट जारी होने पर अमेरिका हुआ नाराज

तेल अवीव (एजेंसी)। इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू पर अंतरराष्ट्रीय क्रिमिनल कोर्ट के लगाए वॉर क्राइम के आरोपों और अरेस्ट वारंट पर पश्चिमी देश आपस में बंट गए हैं। न्यूज एजेंसी के मुताबिक अमेरिका ने गिरफ्तारी वारंट को मानने से इनकार कर दिया है। वहीं ब्रिटेन, कनाडा, नीदरलैंड और इटली ने कहा है कि अगर नेतन्याहू उनके देश आते हैं तो उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा। इस बीच अमेरिका ने कोर्ट के आदेश को मानने ने इनकार किया है। व्हाइट हाउस की प्रवक्ता कैरीन जीन पियरे कोर्ट के फैसले लेने के तरीके पर सवाल उठाए हैं और इसे 'जल्दबाजी' बताया है। अमेरिका कोर्ट का मेंबर देश नहीं है। इटली के रक्षा मंत्री गुइडो क्रोसिटो ने कहा कि उनका देश कोर्ट के नियमों को मानेगा।

महाराष्ट्र में सीएम पद पर खींचतान

शुरू हो गया 'खेला'

- अजित पवार के पोस्टर लगे, महायुति से बताया अगला सीएम
- एमवीए से पटोले बोले- कांग्रेस की अगुआई में सरकार बनेगी

मुंबई (एजेंसी)। विधानसभा चुनाव के नतीजों से एक दिन पहले महाराष्ट्र में नए सीएम को लेकर प्रेशर पॉलिटिक्स शुरू हो गई है। बारामती में एनसीपी अजित गुट के चीफ अजित पवार को भावी मुख्यमंत्री बताए जाने वाले पोस्टर लगाए गए हैं। अजित बारामती से ही विधानसभा चुनाव भी लड़ रहे हैं। उधर, महाविकास अघाड़ी खेमे में भी मुख्यमंत्री को लेकर खटपट शुरू हो गई है। कांग्रेस नेता नाना पटोले ने कहा- महाराष्ट्र में कांग्रेस के नेतृत्व में महाविकास अघाड़ी की सरकार बनेगी। ट्रेंड्स से ऐसा लगता है कि कांग्रेस को ज्यादा सीटें आएंगी। इसलिए सरकार कांग्रेस की अगुआई में बनेगी। पटोले का बयान शिवसेना के संजय राउत को रास नहीं आया है। राउत ने कहा कि महा

विकास अघाड़ी सरकार बनाएगी, लेकिन सीएम कौन होगा, यह एमवीए गठबंधन सहयोगी तय करेंगे। मैं इसे स्वीकार नहीं करूंगा। कोई भी नहीं करेगा। राउत ने यह भी कहा कि अगर कांग्रेस आलाकमान ने पटोले से कहा है कि वह सीएम होंगे तो कांग्रेस अध्यक्ष व राहुल गांधी को इसकी घोषणा करनी चाहिए।

फ्लोरीकल्चर अपनाकर किसान भाई बने आत्मनिर्भर : मंत्री श्री कुशवाह

प्रदेश में फूलों का उत्पादन बढ़कर हुआ 4 लाख 71 हजार मैट्रिक टन

भोपाल (नप्र)। उद्यानिकी एवं खाद्य प्र-संस्करण मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह ने कहा है कि फ्लोरीकल्चर के माध्यम से किसान भाई अच्छा लाभ कमा सकते हैं। गत 4 वर्षों में मध्यप्रदेश में फूलों के उत्पादन क्षेत्र में 5 हजार हैक्टेयर की वृद्धि हुई है। इसके परिणाम स्वरूप प्रदेश के किसानों द्वारा 4 लाख 71 हजार मीट्रिक टन से अधिक फूलों का उत्पादन किया गया है जो एक रिकॉर्ड है।

मंत्री श्री कुशवाह ने कहा कि प्रदेश में छोटे किसान जिनके पास एक या आधा हैक्टेयर भूमि है, वे भी फूलों के उत्पादन से अच्छी आय अर्जित कर सकते हैं। फूलों की खेती कम समय में तैयार हो जाती है और यह केशक्रॉप होती है। इससे कृषकों को फसल का तुरंत नगद भुगतान प्राप्त हो जाता है। मध्यप्रदेश के फूलों की नई दिल्ली, मुम्बई, नागपुर, अहमदाबाद, जयपुर जैसे महानगरों में अच्छी मांग है। उद्यानिकी विभाग द्वारा फूलों के उत्पादन करने वाले कृषकों को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

नर्सरियों को किया जा रहा है हाई टैक- मंत्री श्री कुशवाह ने बताया कि प्रदेश की नर्सरियों को हाई टैक किया जा रहा है। इसके लिये ई-नर्सरी पोर्टल भी बनाया गया है। इनसे फूल-फल उत्पादक को अच्छी किस्म के बीज और पौधे रियायती दरों में प्राप्त हो रहे है। प्रदेश में 100 दिवसीय कार्ययोजना में 20 हजार किसानों और युवाओं को आधुनिक तकनीकों में प्रशिक्षित किया गया है। इसी कड़ी में राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत ग्वालियर में 13 करोड़ रूपये लागत से पहली हाई टैक फ्लोरीकल्चर नर्सरी विकसित की जा रही है। यह नर्सरी फूलों की खेती में नवीनतम तकनीकों का प्रयोग किया जाएगा।संचालक उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण ने बताया कि प्रदेश में गत चार वर्षों में फूलों के उत्पादन में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। वर्ष 2021-22 में प्रदेश में 35 हजार 720 हैक्टेयर में फूलों की खेती की गई जिसमें 4 लाख 12 हजार 730 मैट्रिक टन उत्पादन हुआ।

अमानक बीज देने वाली फर्मों पर होगी सख्त कार्रवाई : मंत्री श्री कुशवाह

भोपाल (नप्र)। उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह ने किसानों को उद्यानिकी फसलों के लिए उच्च गुणवत्ता के बीज उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता जताई है। उन्होंने कहा कि अमानक बीज देने वाली फर्मों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जायेगी। मंत्री ने किसानों से आह्वान किया कि अगर उन्हें निःशुल्क बीजों की गुणवत्ता में कमी दिखाई दे, तो वे इसकी जानकारी विभाग को तत्काल दें। मंत्री श्री कुशवाह ग्वालियर जिला मुख्यालय पर आयोजित 4 दिवसीय किसान मेले का शुभारंभ कर संबोधित कर रहे थे।

किसान मेले में विकासखंडवार किसान होंगे शामिल- चार दिवसीय किसान मेले में सोमवार, 14 अक्टूबर को भितरवार विकासखंड के 142 किसान शामिल होंगे। इसी तरह 15 अक्टूबर को डबरा के 201 और 16 अक्टूबर को मुरार विकासखंड के 189 किसान शामिल होंगे।

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने किया महाराजपुरा विद्युत सब-स्टेशन का निरीक्षण

भोपाल(नप्र)। प्रदेश में विद्युत वितरण प्रणाली में सुधार तथा उपभोक्ताओं को सर्व सुविधायुक्त सेवाएं मुहैया कराने के उद्देश्य से ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने गुरुवार और शुक्रवार की मध्य रात्रि ग्वालियर के महाराजपुरा औद्योगिक क्षेत्र विद्युत सब-स्टेशन का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने यहां उपस्थिति रजिस्टर का अवलोकन किया तथा विद्युत वितरण की जानकारी ली श्री तोमर ने औद्योगिक क्षेत्र को निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि ऊर्जा मंत्री श्री तोमर रात्रि 3:30 बजे महाराजपुरा ज़ोन औद्योगिक सब-स्टेशन का निरीक्षण करने पहुंचे थे।

'हमारा संविधान-हमारा स्वाभिमान' वर्ष भर चलेगा जन-जागरूकता अभियान

संसदीय कार्य विभाग ने विभागाध्यक्ष और कलेक्टर्स को जारी किया पत्र

भोपाल (नप्र)। देश में 15 अगस्त 1947 को देश की आजादी के बाद तैयार किया गया संविधान 26 नवम्बर 1949 को अपनाया गया था। इसके बाद देश में 26 जनवरी 1950 को संविधान लागू किया गया था। संविधान को अपनाने के 75 वर्ष पूरे होने पर संविधान की जानकारी के प्रति जन-जागरूकता के लिये 26 नवम्बर 2024 से वर्ष भर चलने वाला 'हमारा संविधान-हमारा स्वाभिमान' अभियान चलाने का निर्णय लिया गया है। इस संबंध में संसदीय कार्य विभाग ने शासन के समस्त विभागाध्यक्ष, संभागीय आयुक्त और कलेक्टर्स को पत्र जारी कर निर्देश जारी किये हैं।

भोपाल में मुफ्ती शहाबुद्दीन रजवी पर एफआईआर की मांग

कहा था- धीरेंद्र शास्त्री की यात्रा में दंगा न हो जाए; कमिश्नर से मिला संस्कृति बचाओ मंच

भोपाल (नप्र)। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की यात्रा पर बयान देने वाले मौलाना मुफ्ती शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी पर एफआईआर की मांग की गई है। भोपाल में संस्कृति बचाओ मंच ने बयान पर कड़ा ऐतराज जताया है। मौलाना ने कहा था कि पं. शास्त्री की यात्रा में दंगा न हो जाए। मौलाना ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं। मौलाना के खिलाफ केस दर्ज कराने की मांग को लेकर शुक्रवार को संस्कृति बचाओ मंच पुलिस कमिश्नर हरि नारायणचारी मिश्र से मिला और एफआईआर के लिए आवेदन सौंपा।

ऐसा तो नहीं शहाबुद्दीन ने ही दंगा फैलाने की साजिश की हो: तिवारी

मंच के अध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी के नेतृत्व में योगेंद्र शर्मा, रोमी साहू, नीलेश नामदेव, रूद्र त्रिपाठी, नीलेश राजपूत, छोटेलाल गिरी, रामस्वरूप राजपूत ने पुलिस कमिश्नर मिश्र को आवेदन सौंपा। अध्यक्ष तिवारी कहा, संस्कृति बचाओ मंच को अंदेशा है कि कहीं ऐसा ना हो कि शहाबुद्दीन रिजवी ने दंगा फैलाने की साजिश पहले से कर रखी हो और 160 किलोमीटर की यात्रा में पथराव हो जाए।

यात्रा में पं. शास्त्री और लाखों सनातनी शामिल हो रहे हैं, इसलिए प्रशासन पहले से सतर्क होकर शहाबुद्दीन रिजवी के खिलाफ आपराधिक प्रकरण दर्ज और गिरफ्तार करना चाहिए।

मौलाना ने यह कहा था ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष बरेलवी ने गुरुवार को पंडित धीरेंद्र शास्त्री की यात्रा पर बयान जारी किया था। उन्होंने था कहा कि बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की यात्रा नफरत भरी यात्रा होगी। इसमें हमारे देश को हिंदू राष्ट्र बनाने का नारा दिया जाएगा।

बाबा जी की 160 किमी लंबी यात्रा है, मुझे आशंका है कि कहीं दंगा फसाद न हो जाए। क्योंकि वह हमेशा मुसलमानों के खिलाफ बोलते रहे, मुसलमानों को धमकी देते रहे। देश को हिंदू राष्ट्र बनाने का ऐलान करते रहे।

12 नंबर के तीनों एमआईजी ब्लॉक दिसंबर में होंगे हैंडओवर

भोपाल में अगले साल मई तक तैयार होगा प्रोजेक्ट; निगम कमिश्नर ने मीटिंग ली

भोपाल (नप्र)। भोपाल में हाउसिंग के अधूरे प्रोजेक्ट को लेकर शुक्रवार भी नगर निगम और हितग्राहियों के बीच बैठक हुई। निगम अफसरों ने 12 नंबर के तीनों एमआईजी ब्लॉक दिसंबर तक हैंडओवर करने की बात कही। वहीं प्रोजेक्ट को अगले साल मई तक पूरा करने का वादा किया। सोमवार को निगम ऑफिस में हंगामे के बाद तय किया गया था कि गंगानगर, बाग मुगलिया और 12 नंबर प्रोजेक्ट की अलग-अलग बैठक मौके पर जाकर होगी। शुक्रवार को 12 नंबर स्टॉप प्रोजेक्ट को लेकर बैठक की गई। इनमें कमिश्नर हरेंद्र नारायण यादव, इंजीनियरों के साथ जिन लोगों ने मकान खरीदे हैं, उनके बीच चर्चा की गई। इस दौरान प्रोजेक्ट को हैंड ओवर करने की रूपरेखा बनाई।

भाजपा हम दो हमारे दो वाली नीति पर : पटवारी

अदाणी-मोदी सरकार का चोली दामन वाला रिश्ता ; बैठक में सिंघार की कुर्सी हटाने पर बवाल

भोपाल (नप्र)। कांग्रेस ने मांग की है कि मध्यप्रदेश में अडाणी के जो भी प्रोजेक्ट चल रहे हैं, उसकी जांच कराई जाए। एमपी कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी भंवर जितेंद्र सिंह ने कहा कि कुछ लोगों को देश का सारा धन दिया जा रहा है। यह बात अब साबित होने लगी। जिस तरह से अडाणी का शेयर बढ़ा है और जनता को भ्रमित किया गया है उसके लिए मोदी सरकार जिम्मेदार है। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी प्रवक्ता अडाणी प्रवक्ता के तौर पर काम कर रहे हैं।

भोपाल में कांग्रेस की प्रदेश कार्य समिति की बैठक शामिल होने आए प्रदेश प्रभारी जितेंद्र सिंह ने कहा कि बिजली कंपनियों में भ्रष्टाचार के आरोप लगे हैं। अधिकारियों ने कब कितना पैसा लिया है, इसका खुलासा एफबीआई ने किया है। अदाणी और मोदी सरकार का चोली दमन का रिश्ता है। सारे फायदे वाले काम अडाणी और उनके सहयोगियों को दिए जा रहे हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि रक्षा संबंधी सौदे से जुड़े काम हो या मुंबई के धारावी में एक लाख करोड़ की जमीन। देश के सारे बड़े काम अडाणी को दिए जा रहे है। इतने बड़े मामले सामने आने के बाद ही ईडी, सीबीआई, इनकम टैक्स को कुछ दिखाई नहीं दे रहा है।

बैठक में नेता प्रतिपक्ष सिंघार की कुर्सी हटाए जाने पर बवाल

प्रदेश कार्य समिति की बैठक के दूसरा दिन प्रदेश के सभी जिलों से आए पदाधिकारी और नवनियुक्त कार्यकारिणी के सदस्य शामिल हुए। इस दौरान बीच बैठक से नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार की कुर्सी हटाए जाने और बैठक के बीच से प्रदेश अध्यक्ष पटवारी के बाहर जाने पर बवाल मच गया।भाजपा प्रवक्ता नरेन्द्र सलूजा ने इस मामले पर तंज कसते हुए कहा- जीतू के लिए पार्टी और सिंघार के लिए कुर्सी गई तेल लेने। बता दें कि प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में नेता प्रतिपक्ष के लगातार दूसरे दिन गायब रहने को लेकर राजनीतिक गलियारों में कई कयास लगाए जा रहे हैं।

भाजपा सरकार हम दो हमारे दो की नीति पर

पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने कहा कि, बीजेपी के नेता हमेशा अडाणी का बचाव करते हैं। भाजपा सरकार 'हम दो, हमारे दो' वाली नीति पर चल रही है। जिनके खिलाफ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर केस दर्ज हुए हैं, वह सब नरेंद्र मोदी के दोस्त हैं।

पटवारी ने कहा कि 2234 करोड़ की रिश्वत ऊर्जा विभाग के अफसरों को दी गई है। 'बहुत हुआ भ्रष्टाचार अबकी बार मोदी सरकार' का नारा अब 'खूब करो भ्रष्टाचार चल रही मोदी सरकार' में बदल गया है। अडाणी ने मीडिया से लेकर सरकारी संस्थानों पर अलग-अलग तरीके से कब्जा जमाया है।

जीतू पटवारी ने आगे कहा कि मोदी जी नारा लगाते हैं, देश नहीं बिकने दूंगा, उनका नारा अब अडाणी के लिए होगा कि देश नहीं छूटने दूंगा। 10 साल में साढ़े 16 लाख करोड़ की माफी और फायदा अडाणी को दिया गया है। देश में बिजली की कीमत 10 साल में 5 से 7 गुना बढ़ी है। उसके पीछे षड्यंत्र है। अडाणी पर अमेरिका में कार्रवाई हो सकती है तो उनके खिलाफ भारत में कार्रवाई क्यों नहीं हो सकती? भारत के लोगों को भी अडाणी और उनके सहयोगियों ने जमकर लूटा है तो उन पर कार्रवाई होना चाहिए।

एक्सीडेंट में युवक की मौत

बैरसिया में बहन के घर से लौट रहा था,सड़क पार करते समय अज्ञात वाहन ने टक्कर मारी

भोपाल (नप्र)। भोपाल से सटे ग्रामीण इलाके बैरसिया में सड़क पार कर रहे युवक को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में युवक की मौके पर ही मौत हो गई। वह अपनी बहन के ससुराल से घर जाने के लिए निकला था। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। आरोपी वाहन और चालक की पहचान फिलहाल नहीं की जा सकी है।

पुलिस के मुताबिक नीलेश सेनी (32) पुत्र लल्लू सेनी मूल रूप से गंजबासौदा का रहने वाला था। वह फिलहाल विदिशा रोड पर सूखी सेवनिया स्थित एक ढाबे पर काम करता था और वहीं रहता भी था। गुरुवार दोपहर को नीलेश बैरसिया के रूनाहा में रहने वाली बड़ी बहन कमला सेनी से मिलने गया था। रात करीब 11 बजे बहन से मिलकर घर जाने के लिए निकला था। इस दौरान रूनाहा जोड़ पर अज्ञात कार ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में युवक की मौके पर ही मौत हो गई। कार सहित चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस उसकी पहचान के लिए आस पास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है।

दो साल से भोपाल में रह रहा था- मृतक के भाई सुरेश सेनी ने बताया कि नीलेश दो साल पहले काम-धंधे की तलाश में भोपाल आया था। तंदूरी रोटी बनाने का काम करता था। भोपाल में बसने का उसका सपना था। उसे 20 हजार रुपए की तनख्वाह मिलती थी। शादी कराने के लिए लड़की भी तलाश रहे थे। इससे पहले ही उसकी मौत हो गई।

11 महीने कोमा में रहे पीएचडी छात्रा ने दम तोड़ा- बागसेवनिया थाने के एसआई मोहन वर्मा ने बताया कि 24 वर्षीय शिवम तिवारी मूलतः सागर जिले का रहने वाला था। भोपाल में वह बागसेवनिया थाने के पीछे स्थित केन्द्रीय संस्कृत विद्यालय में पढ़ाई कर रहा था। वह यहां से पीएचडी कर रहा था। जनवरी के महीने में वह अपनी बाइक से विद्यालय से बाहर निकालकर जैसे ही सड़क पर आया वैसे ही किसी अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर मारने के बाद चालक वाहन को लेकर भाग निकला। शिवम तिवारी को इलाज के लिए एम्स में भर्ती कराया गया था।

जुमेराती की शॉप में हवाला नेटवर्क का शक

भोपाल पुलिस को मिला इनपुट ; जिन दो कारोबारियों से लूट हुई, उनके पास हवाला का कैश था

भोपाल (नप्र)। भोपाल के पॉलिटेक्निक चौराहे और भानपुर में हुई दो लूट की वारदातों में कनेक्शन मिला है। इसका खुलासा पॉलिटेक्निक चौराहे पर गुजरात के कारोबारी को लूटने वाली गैंग के मुख्य सरगना राजा खटीक ने किया।

चौराहे पर गुजरात के कारोबारी से 11 नवंबर की रात 8 बदमाशों ने मारपीट कर लूट की थी। पुलिस 7 को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। राजा खटीक से तीन दिन की रिमांड लेकर पूछताछ की गई।

उसने बताया कि उसे दोनों लूट में इनपुट जुमेराती की इलेक्ट्रॉनिक दुकान में काम करने वाले कर्मचारी अमित से मिला था। इस दुकान में लाखों रुपए का लेन-देन कैश में किया जाता था। कैश रकम को दूसरे राज्यों तक भेजा जाता था। चौराहे और भानपुर में जिनसे लूट हुई थी, वे दोनों गुजरात के रहने वाले हैं। दोनों से 22 - 22 लाख रुपए की लूट हुई थी। बदमाश के खुलासे के बाद पुलिस जांच कर रही है कि कहीं रकम हवाला के जरिए तो नहीं भेजी जा रही थी।

कारोबारियों ने पुलिस को सही जानकारी नहीं दी

राजा खटीक ने पुलिस को बताया कि पॉलिटेक्निक चौराहे पर जिस दिन कारोबारी से लूट की गई, उस दिन अमित ने इनपुट दिया था कि वह 22 लाख रुपए लेकर निकला है। राजा ने यह भी बताया कि अमित के ही इनपुट पर उसने गिरोह के साथ भानपुर में एक अन्य गुजरात के कारोबारी को लूटा था। इसमें भी 22 लाख रुपए लूटे गए थे।

इस मामले में कई दिन बाद एफआईआर दर्ज की जा सकी थी। दोनों लूट का कनेक्शन जुड़ने के बाद डीसीपी जोन-3 ने इसका इनपुट डीसीपी जोन-4 को भेजा था। इस आधार पर छोला मंदिर थाने में प्रधान आरक्षक रहे सुजीत पटेल को डीसीपी कार्यालय में अटैच किया गया है। दोनों ही लूट के पीड़ित गुजरात से हैं, लेकिन भोपाल में दो-दो साल से रह रहे हैं। दोनों ने लूटी गई रकम की जानकारी शुरुआत में पुलिस को सही नहीं दी थी।

मारपीट की धाराओं में दर्ज हुई थी एफआईआर

श्याम हिल्स के पॉलिटेक्निक चौराहे पर 8 बदमाशों ने गुजरात के कारोबारी को लूटा था। शुरुआत में पुलिस ने मारपीट समझी, लेकिन जांच में लूट निकली। मामले में रैकी करवाने वाला अमित, बदमाश राजा, हेमंत, रेहान, ऋषभ और आवेश को गिरफ्तार किया। इन सभी ने लूट की रकम से 10-10 हजार रुपए बांट लिए थे। बाकी रकम बिट्टू के पास रखी, जो फरार है। जांच में पता चला कि राजा भानपुरा वाली लूट में शामिल था। इस केस में लूटी गई रकम का खुलासा अब तक नहीं हुआ है।

हवाला एंगल पर जांच जारी है

जोन-3 के डीसीपी रियाज इकबाल का कहना है-अमित ने पूछताछ में बताया है कि जुमेराती की इलेक्ट्रॉनिक दुकान पर लेनदेन की डील होती थी। उसी ने रैकी करवाकर लूट करवाई। कारोबारी लूटी गई रकम नहीं बता पाया है। इस आधार पर माना जा रहा है रकम हवाला की है। इस एंगल पर जांच जारी है। इस लूट और भानपुरा में हुई लूट का कनेक्शन है। इसकी जानकारी जोन-4 डीसीपी को दी जा चुकी है।

उपचुनाव काउंटिंग के पहले फिर चुनाव आयोग पहुंची कांग्रेस

बीजेपी के एजेंट्स पर मनोवैज्ञानिक दबाव बनाकर धमकाने का लगाया आरोप

भोपाल (नप्र)। कांग्रेस ने मतगणना की तैयारियों के बीच मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी को 11 सूत्रीय मांग पत्र सौंपा है। इसमें आरोप लगाया गया है कि मतगणना के दौरान बीजेपी असामाजिक तत्वों को काउंटिंग स्थल पर ले जाकर कांग्रेस एजेंट्स पर मनोवैज्ञानिक दबाव बनाती है और उन्हें धमकाने का काम करती है।

कांग्रेस ने यह भी कहा है कि वहां तैनात अधिकारी और कर्मचारी बीजेपी का पक्ष लेते हैं। कांग्रेस ने ऐसी स्थितियों को रोकने की मांग की है। कांग्रेस के चुनाव आयोग कार्य के प्रदेश प्रभारी जेपी धनोपिया ने शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने कहा कि बुधनी और विजयपुर विधानसभा सीटों पर मतगणना के दौरान अनियमितताओं की आशंका जताई गई है। कांग्रेस ने चुनाव आयोग से मांग की है कि मतगणना के दिन स्ट्रांग रूम से ईवीएम काउंटिंग के लिए ले जाने से पहले कांग्रेस प्रत्याशियों को स्ट्रांग रूम दिखाया जाए और ईवीएम ले जाने की पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी कराई जाए।

कांग्रेस की शिकायतें...

- पहले चरण की ईवीएम को मतगणना टेबल पर ले जाने के बाद दूसरे चरण की ईवीएम को सुरक्षित रखने के लिए स्ट्रांग रूम को पूरी तरह लॉक किया जाए।
- मतगणना शुरू होने से पहले ईवीएम का सत्यापन कांग्रेस के एजेंट्स को दिखाकर किया जाए। इसका ब्यौरा, जिसमें ईवीएम क्रमांक, मतदान केंद्र, मतदाताओं की संख्या और बैट्री चार्जिंग का प्रतिशत शामिल हो, उपलब्ध कराया जाए।
- मतगणना स्थल पर इंटरनेट का उपयोग प्रतिबंधित किया जाए, क्योंकि इससे अनुचित घटनाएं हो सकती हैं।
- डाकमत पत्रों की गणना शुरू होने के आधे घंटे बाद ईवीएम की काउंटिंग शुरू कराई जाए। अंतिम ईवीएम की गिनती तब तक न कराई जाए जब तक डाकमत पत्रों की गणना पूरी न हो।
- डाकमत पत्रों को गंभीरता से जांचा जाए। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि अवैध डाकमत पत्रों को भी गणना में शामिल किया जाता है।

संपादकीय

महाराष्ट्र-झारखंड : फैसला आज

हाल में सम्पन्न महाराष्ट्र और झारखंड राज्य विधानसभा के चुनावों का नतीजा आज आने वाला है। इनमें से भी महाराष्ट्र जैसे प्रमुख राज्य के चुनाव परिणामों से देश की राजनीति की भावी दिशा तय होगी। इसके अलावा उत्तर प्रदेश में 9 विधानसभा सीटों पर उपचुनावों के नतीजे भी राज्य में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का राजनीतिक भविष्य तय करेंगे। महाराष्ट्र व झारखंड दोनों राज्यों में इस बार रिकॉर्ड तोड़ मतदान हुआ है। ये मतदान किसके पक्ष में है, इसको लेकर राजनीतिक हल्कों में अटकलें जारी हैं। महाराष्ट्र में भाजपानीत महायुति इसे सत्तारूढ़ दलों के पक्ष में तो झारखंड में सत्ता विरोधी लहर के रूप में देख रही है, जबकि विपक्ष इस मतदान को झारखंड में सत्ता के समर्थन और महाराष्ट्र में बदलाव की जनाकांक्षा का संकेत मान रहा है। महाराष्ट्र में इस विस चुनाव में मतदान 1995 को छोड़कर अब तक सर्वाधिक वोटिंग माना जा रहा है। यह 2019 के विस चुनाव से करीब 4 फीसदी अधिक है। सवाल है कि इतनी भारी तादाद में मतदान का मतलब क्या है? क्या एंटी इंकंबेंसी यानी सरकार के खिलाफ गुस्से में इतने लोग बाहर निकले या फिर सरकार की नीतियों और योजनाओं का समर्थन करने के लिए? वैसे, दोनों गठबंधन दावा कर रहे हैं कि ज्यादा वोट पड़ने का मतलब उनकी जीत है। उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने दावा किया कि मतदान में बढ़ोतरी से सत्तारूढ़ महायुति को मदद मिलेगी। दूसरी तरफ प्रदेश कांग्रेस प्रमुख नाना पटोले ने कहा कि एमवीए चुनाव जीत रहा है। राज्य में महा विकास आघाड़ी की सरकार बनना तय है। मआवि ते नतीजे घोषित होने से पहले ही कौन बनेगा मुख्यमंत्री को लेकर विवाद शुरू हो गया है। महाराष्ट्र में विस चुनाव नतीजों के संदर्भ में मतदान के बाद आए एग्जिट पोल के नतीजे मिले जुले हैं। 7 एग्जिट पोल में से पांच में महायुति को बढ़त बताई गई है, जबकि दो में मआवि को आगे बताया गया है। यद्यपि एग्जिट पोल की विश्वनीयता काफी कम है। मतदाता के मन में क्या है, यह जानना बहुत मुश्किल है। इसी तरह झारखंड में इस बार 67.74 प्रतिशत मतदान हुआ है। यह झारखंड राज्य बनने के बाद मतदान का सर्वाधिक प्रतिशत है। राज्य में अवैध घुसपैठिये, जबरन धर्मांतरण और भ्रष्टाचार बड़ा मुद्दा रहा है। वैसे झारखंड में लोकसभा चुनाव के समय भाजपा और एनडीए को अच्छी सफलता मिली थी। यही ट्रेंड विस चुनाव में भी कायम रहता है तो राज्य में एनडीए की वापसी संभव है। जबकि महाराष्ट्र में 'बंटेंगे तो कटेंगे' के साथ साथ लाडकी बहिण योजना, महाराष्ट्र के उद्योग गुजरात शिफ्ट होना और बेरोजगारी जैसे मुद्दे हावी रहे। भाजपा का मानना है कि महाराष्ट्र में राज्य में योगी आदित्यनाथ के नारे 'कटेंगे तो बटेंगे' का बहुसंख्यक हिंदुओं में व्यापक असर हुआ है। शिंदे सरकार की लाभार्थी योजनाओं का महायुति को फायदा मिलने की संभावना जताई जा रही है। चुनाव आयोग द्वारा जारी आँकड़ों से पता चलता है कि शहरी मतदाताओं की तुलना में ग्रामीण मतदाता बड़ी संख्या में घरों से बाहर निकले। वैसे ज्यादा वोटिंग के पीछे दोनो प्रतिद्वंद्वी गठबंधनों के आक्रामक प्रचार को भी कारण माना जा रहा है। उधर यूपी में 9 विधानसभा सीटों पर हो रहा उपचुनाव भी बहुत कश्मकश भरा है। लोकसभा चुनाव में लगे झटके के बाद भाजपा ने इस बार उपचुनाव की कमान पूरी तरह से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हाथों में सौंप रखी है। अगर भाजपा वहा 9 में से 5 सीटें भी जीतने में कामयाब रहती है तो योगी की कुर्सी सुरक्षित रहेगी। वरना राज्य में कमान किसी और को सौंपने की मुहिम जोर पकड़ सकती है।

दांव पर लगी एग्जिट पोल की साख

महाराष्ट्र की कुल 288 विधानसभा सीटों में चाणक्य स्ट्रैटजीज के एग्जिट पोल में महायुति गठबंधन को 152 से 160 सीटें मिलने की उम्मीद जताई गई है जबकि महाविकास अघाड़ी को 130 से 138 सीटें मिलने की संभावना जताई गई है। वहीं, पी-एमएआरक्यू के एग्जिट पोल में महायुति को 137 से 157 सीटें जबकि महाविकास अघाड़ी को 126 से 146 सीटें मिलने की संभावना व्यक्त की गई है। न्यूज 18 मैट्रिज के एग्जिट पोल में महायुति गठबंधन को 150 से 170 सीटें मिलने का अनुमान लगाया गया है जबकि महाविकास अघाड़ी को 110 से 130 सीटें मिलने का अनुमान है। पोल ऑफ पोल्स में भाजपा की अगुवाई वाले महायुति गठबंधन को 146 सीटें और कांग्रेस की अगुवाई वाले महाविकास अघाड़ी को 129 सीटें मिलने का अनुमान व्यक्त किया गया है, अन्य के खाते में 13 सीटें जाने की उम्मीद जताई गई है। इसी प्रकार झारखंड की कुल 288 विधानसभा सीटों में बहुमत का आंकड़ा 41 है और यहां मैटराइज, चाणक्य, पीपुल्स पल्स तथा टाइम्स नाउ के एग्जिट पोल में राज्य में एनडीए की बहुमत वाली सरकार बनने का अनुमान व्यक्त किया है।

नजरिया

योगेश कुमार गोयल
लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा के लिए अंतिम चरण के मतदान की प्रक्रिया के समापन के साथ ही तमाम टीवी चैनलों द्वारा विभिन्न सर्वे एजेंसियों के सहयोग से एग्जिट पोल का प्रसारण कर दिया गया। महाराष्ट्र की सभी सीटों पर एक चरण में और झारखंड में दो चरणों में मतदान हुआ और मतदान की प्रक्रिया के समापन के साथ ही दोनों राज्यों के एग्जिट पोल भी सामने आ गए। लगभग सभी एग्जिट पोल्स में जहां महाराष्ट्र में भाजपा गठबंधन की जीत की संभावना जताई गई है, वहीं झारखंड में कांटे का मुकाबला दर्शाया गया है। महाराष्ट्र के लिए कुल 11 एग्जिट पोल जबकि झारखंड के लिए 8 एग्जिट पोल आए हैं। महाराष्ट्र के लिए आए सभी एग्जिट पोल में से 6 में भाजपा गठबंधन यानी महायुति की सरकार जबकि 4 में कांग्रेस गठबंधन यानी महाविकास अघाड़ी को बहुमत का अनुमान है। इसी प्रकार झारखंड के लिए आए एग्जिट पोल में से 4 में भाजपा गठबंधन और 2 में इंडिया ब्लॉक को बहुमत के आसार जताए गए हैं जबकि 2 एग्जिट पोल्स ने त्रिशंकु विधानसभा के आसार जताए हैं।

महाराष्ट्र की कुल 288 विधानसभा सीटों में चाणक्य स्ट्रैटजीज के एग्जिट पोल में महायुति गठबंधन को 152 से 160 सीटें मिलने की उम्मीद जताई गई है जबकि महाविकास अघाड़ी को 130 से 138 सीटें मिलने की संभावना जताई गई है। वहीं, पी-एमएआरक्यू के एग्जिट पोल में महायुति को 137 से 157 सीटें जबकि महाविकास अघाड़ी को 126 से 146 सीटें मिलने की संभावना व्यक्त की गई है। न्यूज 18 मैट्रिज के एग्जिट पोल में महायुति गठबंधन को 150 से 170 सीटें मिलने का अनुमान लगाया गया है जबकि महाविकास अघाड़ी को 110 से 130 सीटें मिलने का अनुमान है। पोल ऑफ पोल्स में भाजपा की अगुवाई वाले महायुति गठबंधन को 146 सीटें और कांग्रेस की अगुवाई वाले महाविकास अघाड़ी को 129 सीटें मिलने का अनुमान व्यक्त किया गया है, अन्य के खाते में 13 सीटें जाने की उम्मीद जताई गई है। इसी प्रकार झारखंड की कुल 288 विधानसभा सीटों में बहुमत का आंकड़ा 41 है और यहां मैटराइज, चाणक्य, पीपुल्स पल्स तथा टाइम्स नाउ के एग्जिट पोल में राज्य में एनडीए की बहुमत वाली सरकार बनने का अनुमान व्यक्त किया है जबकि एक्सिस माय इंडिया और पी मार्क के एग्जिट पोल के मुताबिक राज्य में फिर से इंडिया गठबंधन की सरकार बन सकती है। वहीं मतदान प्रक्रिया के समापन के एक दिन बाद सामने आया एक्सिस माय इंडिया का एग्जिट पोल तो हर किसी को चौंका रहा है, जिसमें महायुति को 48 प्रतिशत मत के साथ 178 से 200 के बीच सीटें जीतने की संभावना जताई गई है जबकि एमवीए के महज 37

फीसदी मतों के साथ 82 से 100 के बीच सिमटने की भविष्यवाणी की गई है। वहीं, एक्सिस माय इंडिया के पोल के मुताबिक झारखंड में 81 विधानसभा सीटों में से इंडिया गठबंधन 49-59 सीटें जीतकर मजबूत सरकार बनाने जा रहा है जबकि एनडीए के 12-17 सीटों पर ही सिमटने का अनुमान है।

चूंकि अनेक अवसरों पर यह साबित हो चुका है कि अधिकांश एग्जिट पोल वास्तविक चुनावी नतीजों से मेल नहीं खाते और शायद यही कारण है कि लगभग सभी टीवी चैनल भी अब एग्जिट पोल का प्रसारण करते समय यह उल्लेख करते रहते हैं कि ये केवल एग्जिट पोल हैं, एग्जेक्ट पोल नहीं। अब यह तो 23 नवंबर को चुनाव परिणाम सामने आने के बाद स्पष्ट हो ही जाएगा कि इस बार के एग्जिट पोल सटीक साबित होते हैं या केवल हवा-हवाई। दरअसल पिछले कुछ चुनावों में कुछेक एग्जिट पोल के अनुमान भले ही काफी हद तक चुनाव परिणामों के करीब रहे हों लेकिन यह भी सच है कि कम से कम भारत में तो एग्जिट पोल का इतिहास ज्यादा सटीक नहीं रहा है। पिछले ही महीने हरियाणा विधानसभा चुनाव को लेकर भी जितने भी एग्जिट पोल सामने आए थे, सभी बुरी तरह धराशायी हुए थे। दरअसल सभी एग्जिट पोल में कांग्रेस की पूर्ण बहुमत की सरकार बनने की भविष्यवाणी की गई थी लेकिन उसके बिल्कुल उलट भाजपा ने अपने दम पर पूर्ण बहुमत हासिल कर लगातार तीसरी बार सरकार बनाई थी। 4 जून को आए लोकसभा चुनाव नतीजों ने भी एग्जिट पोल की विश्वसनीयता को लेकर बड़ा प्रश्नचिन्ह लगाया था। दरअसल तब भी अधिकांश एग्जिट पोल में भाजपा के 300 के करीब सीटें जीतने का अनुमान लगाया गया था लेकिन भाजपा 240 सीटों पर ही सिमट गई थी। कई एग्जिट पोल्स ने तो एनडीए को 350 से 400 तक सीटें मिलने की भी भविष्यवाणी कर डाली थी लेकिन वास्तविक नतीजों में एनडीए 300 सीटों का आंकड़ा भी नहीं छू पाया था।

वैसे तो एग्जिट पोल ओपिनियन पोल का ही हिस्सा होते हैं किन्तु ये मूल रूप से ओपिनियन पोल से अलग होते हैं। ओपिनियन पोल में मतदान करने और नहीं करने वाले सभी प्रकार के लोग शामिल हो सकते हैं। ओपिनियन पोल मतदान के पहले किया जाता है जबकि एग्जिट पोल चुनाव वाले दिन ही मतदान के तुरंत बाद किया जाता है। एग्जिट पोल से पहले चुनावी सर्वे किए जाते हैं और सर्वे में बहुत से मतदान क्षेत्रों में मतदान करके निकले मतदाताओं से बातचीत कर विभिन्न राजनीतिक दलों तथा प्रत्याशियों की हार-जीत का आकलन किया जाता है। अधिकांश मीडिया संस्थान कुछ प्रोफैशनल एजेंसियों के साथ मिलकर एग्जिट पोल करते हैं। ये एजेंसियां मतदान के तुरंत बाद मतदाताओं से यह जानने का प्रयास करती हैं कि उन्होंने अपने मत का प्रयोग किसके लिए किया है और इन्हीं आंकड़ों के गुणा-भाग के आधार पर यह जानने का प्रयास किया जाता है कि कहां से कौन हार रहा है और कौन जीत रहा है। इस आधार पर किए गए सर्वेक्षण से जो व्यापक नतीजे निकाले जाते हैं, उसे ही 'एग्जिट पोल' कहा जाता है। चूंकि इस प्रकार के सर्वे मतदाताओं की एक निश्चित संख्या तक ही सीमित रहते हैं, इसलिए एग्जिट पोल के अनुमान हमेशा सही साबित नहीं होते। बहरहाल, अब देखना यही है कि एग्जिट पोल आखिर कितने सही साबित होते हैं?

जीवाश्म ईंधन के मुद्दे पर छाई निराशा

संदर्भ- बाकू सम्मेलन

प्रमोद भार्गव
लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

आज कल कश्यप सागर के पश्चिमी तट पर स्थित अजरबैजान की राजधानी बाकू में जीवाश्म ईंधन के उत्सर्जन पर अंकुश के लिए कॉप-29 शिखर सम्मेलन चल रहा हैं। इस देश में यह सम्मेलन इसलिए आयोजित हैं, क्योंकि यहां तापमान के लगातार बढ़ने और हिमखंडों के पिघलने के चलते तटीय बस्तियां डूबने की आशंकाएं जताई जा रही हैं। अतएव यहां का बंदरगाह, तेल खनन क्षेत्र और तटीय बस्तियां कई किमी दूर तक डूब जाने की शंका है। यह शंका तब और बढ़ गई, जबसे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चुन लिए गए हैं। क्योंकि ट्रंप जीवाश्म ईंधन के प्रबल पक्षधर रहे हैं। इसलिए वे पर्यावरण संकट को कोई खतरा न मानते हुए इसे पर्यावरणविदों द्वारा खड़ा किया गया एक हौवा भर मानते है। ट्रंप और उनके समर्थक नेताओं का समूह अधिकतम जीवाश्म ईंधन पैदा करने की वकालत करते रहे हैं। इधर ब्राजील में चल रहे संपन्न देशों के संगठन जी-20 में भी इस संकट से निपटने के लिए पूंजीपति देशों से आर्थिक मदद की गुहार का भी कोई परिणाम निकलता नहीं दिख रहा है। अतएव बाकू सम्मेलन में निराशा के चलते दुनिया के अस्तित्व पर मंडराते बहुआयामी खतरों से निपटने की उम्मीद कम ही है।

जलवायु सम्मेलन कॉप-29 में कोयले, तेल और गैस अर्थात् जीवाश्म ईंधन का उपयोग धीरे-धीरे खत्म करने की पैरवी पर्यावरण विज्ञानी कर रहे हैं, जिससे बढ़ते वैश्विक तापमान को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक केंद्रित किया जा सके। अनेक देशों ने 2030 तक दुनिया की नवीनीकरण योग्य ऊर्जा को बढ़ाकर तीन गुना करने के सुझाव दिए हैं। इसके अंतर्गत अक्षय ऊर्जा के प्रमुख स्रोत सूर्य, हवा और पानी से बिजली बनाना है। इस सिलसिले में प्रेरणा लेने के लिए ऊरुग्वे जैसे देश का उदाहरण दिया गया, जो अपनी जरूरत की 98 फीसदी ऊर्जा इन्हीं स्रोतों से प्राप्त करता है। लेकिन यह एक अपवाद हैं, हकीकत यह है कि यूक्रेन और रूस तथा इजरायल और हमास के बीच चलते भीषण युद्ध के कारण कोयला जैसे जीवाश्म ईंधन से ऊर्जा उत्पादन का प्रयोग बढ़ा है और बिजली उत्पादन के जिन कोयला संयंत्रों को बंद कर दिया गया था। उनका उपयोग फिर से शुरू हो गया है।

2018 ऐसा वर्ष था, जब भारत और चीन में कोयले से बिजली उत्पादन में कमी दर्ज की गई थी। नतीजतन भारत पहली बार इस वर्ष के 'जलवायु परिवर्तन प्रदर्शन सूचकांक' में शीर्ष दस देशों में शामिल हुआ था। वहीं अमेरिका सबसे खराब प्रदर्शन करने वाले देशों में शामिल हुआ था। स्पेन की राजधानी मैड्रिड में 'कॉप 25' जलवायु परिवर्तन सम्मेलन में यह रिपोर्ट जारी की गई थी। रिपोर्ट के अनुसार 57 उच्च कार्बन उत्सर्जन वाले देशों में से 31 में उत्सर्जन का स्तर कम होने के रुझान इस रिपोर्ट में दर्ज थे। इन्हीं देशों से 90 प्रतिशत कार्बन का उत्सर्जन होता रहा है। इस सूचकांक ने तय किया था कि कोयले की खपत में कमी सहित कार्बन उत्सर्जन में वैश्विक बदलाव दिखाई देने लगे हैं। इस सूचकांक में चीन में भी मामूली सुधार हुआ था। नतीजतन वह तीसवें स्थान पर रहा था। जी-20 देशों में ब्रिटेन सातवें और भारत को नवीं उच्च श्रेणी हासिल हुई थी। जबकि आस्ट्रेलिया 61 और सऊदी अरब 56वें क्रम पर रहे थे। अमेरिका खराब प्रदर्शन करने वाले देशों में इसलिए आ गया था, क्योंकि उसने जलवायु परिवर्तन की खिल्ली उड़ाते हुए इस समझौते से बाहर आने का निर्णय ले लिया था। इस समय अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप थे। हकीकत है कि अमेरिका ने वास्तव में कार्बन उत्सर्जन पर नियंत्रण के कोई प्रयास ही नहीं किए। दुनिया की लगभग 37 प्रतिशत बिजली का निर्माण थर्मल पावरों में किया जाता है। इन संयंत्रों की भट्टी में कोयले को झोंका जाता है, तब कहीं जाकर बिजली का उत्पादन होता है। दो युद्धों के चलते कोयले से बिजली उत्पादन पर निर्भरता बढ़ती दिखाई दे रही है।

ब्रिटेन में हुई पहली औद्योगिक क्रांति में कोयले का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। 1500 ईसवीं में बड़ी मात्रा में कोयले के उत्खनन की शुरूआत हुई थी। इसके बाद जिन देशों में भी कारखाने लगे, उनमें लकड़ी और कोयले का प्रयोग लंबे समय तक होता रहा। दुनिया की रेलें भी कोयले से ही लंबे समय तक चलती रही हैं। भोजन पकाने, ठंड से बचने और उजाले के उपाय भी लकड़ी जलाकर किए जाते रहे हैं। अतएव धुएं के बड़ी मात्रा में उत्सर्जन और धरती के तापमान में वृद्धि की शुरुआत औद्योगिक क्रांति की बुनियाद रखने के साथ ही आरंभ हो गई थी। इसके बाद जब इन दुष्प्रभावों का अनुभव पर्यावरणविदों ने किया तो 14 जून 1992 में रियो डी जनेरियो में पहला अंतरराष्ट्रीय पृथ्वी संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन संपन्न हुआ। इस सम्मेलन के परिणामस्वरूप जापान के क्योटो शहर में 16 फरवरी 2005 को पृथ्वी के बढ़ते तापमान के जरिए जलवायु परिवर्तन को रोकने के लिए क्योटो प्रोटोकॉल अंतरराष्ट्रीय संधि अस्तित्व में आई। इस संधि में शामिल देशों ने ग्रीन हाउस अर्थात् मानव उत्सर्जित गैसों को कम करने के लिए प्रतिबद्धता जताई। दुनिया के वैज्ञानियों ने एक राय होकर कहा कि मानव निर्मित गैस सीओ-2 के उत्सर्जन से धरती का तापमान बढ़ रहा है, जो जीवाश्म ईंधन का पर्याय है। 192 देशों ने इस संधि पर हस्ताक्षर किए हुए हैं।

भारतीय व्यापारी गौतम अडानी ने इस अवसर का लाभ उठाया और अडानी ने 'आस्ट्रेलिया कोल कंपनी' बनाकर ऑस्ट्रेलिया के क्वींसलैंड क्षेत्र में कोयला खदानें भी हासिल कर लीं। अडानी ने कारमिकेल कोयला खदान पर पर्यावरण संबंधी मंजूरी मिलने के बाद 2019 से कोयले का खनन शुरू कर इसे बेचना भी आरंभ कर दिया है। अडानी ने ऑस्ट्रेलियाई मूल के 1500 बेरोजगारों को प्रत्यक्ष और 6,750 लोगों को अप्रत्यक्ष रोजगार देने का अनुबंध करके इस खदान से उत्खनन शुरू किया है। फरवरी 2022 में जब भारत में कोयले का संकट खड़ा हुआ था, तब आस्ट्रेलिया से ही भारत की सबसे बड़ी बिजली उत्पादक कंपनी एनटीपीसी ने कोयला खरीदा था। 2019 तक यूरोप केवल 20 प्रतिशत बिजली का उत्पादन कोयले से करता था। ऊर्जा की शेष जरूरतों की आपूर्ति गैस से होती थी। इसलिए अनेक यूरोपीय देशों ने 2025 तक अधिकतर ताप विद्युत घरों को बंद करने की परियोजनाओं पर काम करना शुरू कर दिया था। लेकिन अब रूस से गैस की आपूर्ति बंद हो जाने के कारण इटली, जर्मनी, नीदरलैंड और ऑस्ट्रिया ने अपने कोयले से बिजली उत्पादन जारी रखने को मजबूर हो गए हैं। इन फैसलों के चलते अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी को कहना पड़ा था कि 2022-23 में यूरोपीय देशों में कोयले से बिजली का उत्पादन 7 से 10 प्रतिशत तक बढ़ने की संभावना है। जबकि पूरी दुनिया में कोयले की खपत आठ अरब टन हो जाएगी। कोयले की इतनी ही खपत 2013 तक होती थी। साफ है, कोयले की खपत बिजली उत्पादन के लिए बढ़ेगी तो कार्बन उत्सर्जन भी बढ़ेगा। अतएव धरती के तापमान में वृद्धि भी बढ़ेगी। ये अनुमान सही भी निकले हैं। वर्ष 2023 में 40.6 प्रतिशत अरब टन के वैश्विक कार्बनडाइ ऑक्साइड उत्सर्जन की तुलना में 2024 में कुल 41.6 अरब टन उत्सर्जन होगा, जो इसे रिकॉर्ड सबसे गर्म वर्ष बनाने जा रहा है। यह बात ग्लोबल कार्बन बजट 2024 की रिपोर्ट में कही गई है। विज्ञानियों ने चेतावनी दी है कि तापमान बढ़ने का प्रमुख कारण जीवाश्म ईंधन से होने वाला उत्सर्जन है, जो 2023 की तुलना में 0.8 प्रतिशत से बढ़कर 2024 में 41.6 अरब टन हो जाएगा।

इन बदलते हालातों में हमें जिंदा रहना है तो जिंदगी जीने की शैली को भी बदलना होगा। हर हाल में ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में कटौती करनी होगी। यदि तापमान में वृद्धि को पूर्व औद्योगिक काल के स्तर से 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करना है तो कार्बन उत्सर्जन में 43 प्रतिशत कमी लानी होगी। आईपीसीसी ने 1850-1900 की अवधि को पूर्व औद्योगिक वर्ष के रूप में रेखांकित किया हुआ है। इसे ही बढ़ते औसत वैश्विक तापमान की तुलना के आधार के रूप में लिया जाता है। गोया, कार्बन उत्सर्जन की दर नहीं घटी और तापमान में 1.5 डिग्री से ऊपर चला जाता है तो असमय अकाल, सूखा, बाढ़ और जंगल में आग की घटनाओं का सामना निरंतर करते रहना पड़ेगा। बढ़ते तापमान का असर केवल धरती पर होगा, ऐसा नहीं है। समुद्र का तापमान भी इससे बढ़ेगा और कई शहरों के अस्तित्व के लिए समुद्र संकट बन जाएगा। इसी सिलसिले में जलवायु परिवर्तन से संबंधित संयुक्त राष्ट्र की अंतर-सरकारी समिति की ताजा रिपोर्ट के अनुसार सभी देश यदि जलवायु बदलाव के सिलसिले में हुई क्योटो-संधि का पालन करते हैं, तब भी वैश्विक ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन में 2010 के स्तर की तुलना में 2030 तक 10.6 प्रतिशत तक की वृद्धि होगी। नतीजतन तापमान भी 1.5 से ऊपर जाने की आशंका बढ़ गई है। चूंकि विकासशील देश ऊर्जा उत्पादन के लिए जीवाश्म ईंधन पर निर्भर हैं, इसलिए उन्हें कार्बन उत्सर्जन घटाने के लिए विकसित देशों से आर्थिक मदद की जरूरत है। 'एडॉप्टेशन गैस रिपोर्ट-2023 अंडर फायनेंस' में कहा गया है कि वर्तमान में वैश्विक स्तर पर एडॉप्टेशन अर्थात् अनुकूलन के लिए जितनी वित्तीय मदद की जा रही है, उससे कहीं अधिक दस से 18 गुना आर्थिक मदद की जरूरत है। लेकिन मदद की यह पुकार नक्कारखाने की तूती साबित हो रही है।

स्त्री की गरिमा और समाज में उसकी पहचान

दृष्टिकोण

अन्नु प्रिया, कटिहार

बेटियां हमेशा से ही बेहतरीन रचना रही हैं घर के आंगन और समाज के लिए। बेटियां वास्तव में समाज और परिवार का आधार होती हैं। उनकी शिक्षा, स्वायत्तता, और आत्मविश्वास का सीधा प्रभाव न केवल उनके व्यक्तिगत जीवन पर पड़ता है, बल्कि उनके परिवार और समाज की प्रगति में भी योगदान देता है। आधुनिकता और भौतिकवाद के नाम पर स्त्रियों को एक भ्रामक दृष्टिकोण के तहत देखा गया है, जहां उनकी स्वतंत्रता और व्यक्तित्व को सीमित करने की कोशिश की गई है। यह सोच न केवल स्त्रियों के प्रति अन्याय है, बल्कि समाज के समग्र विकास के लिए भी बाधक है।

स्त्री ही सृष्टि की सृजना है यदि बेटियां, बेहद बेहतरीन परिवेश और परिवार के सहयोग और समर्थन जहां भी पाती हैं, निःसंदेह उनका प्रदर्शन उनके बाद के जीवन के हर रिश्तों और जीवन के चुनौतीपूर्ण पड़ावों को अच्छी तरह से पार लगा देती हैं।आज जिस तरह तकनीकी और व्यवसायिक दृष्टिकोण से स्त्री को अपने हाथों की कठपुतलियां बना कर हमने उन्हें दिग्भ्रमित करके रखा हुआ है। उनके निर्णय, अभिव्यक्तियों और उनसे जुड़े हुए ज्वलंत मुद्दों को जिस तरह से हमने उम्र, काल, सभ्यता और संस्कृति की परिपाटी पर हमने अपने सुविधानुसार स्त्री को सजाया और समझाया है कि कैसे उनकी उत्पत्ति, विकास, किस्मत, कर्म और उनकी उत्पादकता बस एक गढ़ी हुई सामाजिक, वैवाहिकता तथा वैचारिकता में कमोवेश निहित हैं। जो आधुनिकता और स्त्रीवाद आज की परिभाषाएं और परिवेश जिस तरह से संपूर्ण व्यक्तिवाद और भौतिकवाद को संतुष्ट और पुरुषों की पाशविकता और संपुष्ट कर रहा है।

भविष्य में स्त्री महज एक सुविधानुसार उपभोगवादी संस्कृति के द्वारा स्त्री के प्रति स्वीकार्यता और स्थापित की जा रही है। वह सोच बेहद आकर्षक और सुविधाओं से लैस है ताकि स्त्री को एक आकर्षक दृश्य की तरह सजाया और समझाया जाये कि वह एक संपूर्ण व्यक्तिवाद की अवधारणा से परे हों ताकि तार्किक रूप से एक रहस्यमयी अध्यात्म और उपभोग के छंद और भ्रम में पड़ कर उन्हें मूल रूप से एक संपूर्ण मानव व्यक्तित्व की संकल्पना और उनकी उत्पादकता को सोची समझी रणनीति के तहत बस प्रजनन क्षमता और संतुष्ट भोग वस्तु अनुरूप समझा जाये तथा उनकी योग्यताओं दरकिनार कर को उन्हें गैर-लाभकारी उत्पादकता के अनुरूप न्यूनतम समझा जाये। एक संपूर्ण व्यक्तित्व के रूप में स्त्री की क्षमता, योग्यता, और योगदान को मान्यता देना न केवल उनके लिए, बल्कि समाज के लिए भी अनिवार्य है। स्त्री के प्रति एक संतुलित, सम्मानजनक और समानतापूर्ण दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है, ताकि वे अपने जीवन के हर पहलू में स्वतंत्र रूप से योगदान दे सकें और अपनी पूरी क्षमता का उपयोग कर सकें।

एक संतुलित और सामाजिक सहयोगात्मक, समर्थित दृष्टिकोण स्त्री को उचित मानव संसाधन के प्रति दृष्टिकोण, समाज के लिए एक चेतावनी और आत्मावलोकन का विषय और आवश्यकता है, ताकि वे अपने जीवन के हर पहलू में स्वतंत्र रूप से योगदान दे सकें और अपनी पूरी क्षमता का उपयोग कर सकें। स्त्री को केवल 'प्रजनन क्षमता' या 'सजावट' के नजरिए से देखना एक अत्यंत संकीर्ण दृष्टिकोण है। यह आवश्यक है कि उन्हें एक संपूर्ण व्यक्तित्व के रूप में स्वीकार किया जाए, जिसमें उनकी बौद्धिकता, सृजनात्मकता और मानवीय गुणों का सम्मान हो। ऐसे विचारों को व्यापक रूप से साझा करना और इस पर संवाद स्थापित करना बेहद जरूरी है, ताकि एक ऐसा समाज बनाया जा सके जो न केवल स्त्रियों को समान अधिकार और गरिमा दे, बल्कि उन्हें अपनी पूरी क्षमता का उपयोग करने का अवसर भी प्रदान करें। इस सोच को फैलाने और इस पर गहन चर्चा करने की आवश्यकता है ताकि एक ऐसा समाज बनाया जा सके जो स्त्री को व्यक्ति व मानव के रूप में संकल्पित और स्वीकार कर उनकी गरिमा और अधिकारों को समान रूप से मान्यता दे।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

संपादक - उमेश त्रिवेदी

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)

RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्यकार की बेचैनी

व्यंग्य

पूरन सरमा
लेखक व्यंग्यकार हैं।

जिस समय वे मेरे यहाँ आये बेहद परेशान थे। अखबारों का बण्डल हाथ में लिये शून्य में कहीं खोये थे। चाय पीने लगे तो मैंने ही कहा-'चाय में मजा नहीं आ रहा? मेरा मतलब मन ठीक तो है?'

उन्होंने बिना पलक झपकाये हुये देखा और गहरी सांस लेकर चाय को सुड़का तथा फिर मौन साधक की भूमिका में आ गये। मैंने फिर उनकी तंद्रा को तोड़ा-'शायद आज कुछ नया नहीं लिख पाये हैं। व्यंग्यकार को विषयों की कमी नहीं है। आज की मुख्य खबर 'रेलें भिड़ीं' पर लिख मारिये व्यंग्य।'

वे चौंके और अचकचाये-'हाँ, मैं भी इसी पर लिखना चाहता हूँ। दूसरी खबरों में दम भी नहीं हैं, परन्तु रेल भिड़ने पर क्या व्यंग्य हो सकता है?' मैं बोला-'रचना के ऊपर आप व्यंग्य लिखते हैं और वह व्यंग्य के कालम में छपती है, इसलिए वह रचना अपने-आप ही व्यंग्य हो गई। रचना में व्यंग्य आया या नहीं, इसकी परवाह आपने कब की है? आपको तो नित्यप्रति व्यंग्य लिखना है और उसे कहीं-न-कहीं छपवाना है, लिखकर भेज दीजिए, छप जायेगा।'

'शर्मा तुम कहना क्या चाहते हो?' उनके मुखारविंद से प्रश्न फूटा तो मैंने कहा-'कहना क्या है, व्यंग्य लिखने में आपका कोई दूसरा सानी नहीं है। दैनिक पत्रों की बहुत बड़ी आवश्यकता की पूर्ति करते हो। रेलों के भिड़ने में व्यंग्य खोजिये। सदी की भीषण दुर्घटना है। इस पर लिखा हुआ जरूर छपेगा। मेरा आशय आपकी उन टिप्पणियों से है, जो व्यंग्य कहलाती हैं।'

'लेकिन यदि तुम मेरे लेखन से इतने प्रभावित हो तो यह बताओ, क्या नेपाल में भड़की हिंसा पर व्यंग्य नहीं हो सकता?' उन्होंने गम्भीर मुद्रा में कहा। मैं बोला-'आप मुझे बेवकूफ तो नहीं बना रहे? आपने तो ऐसी-ऐसी घटना-दुर्घटनाओं पर 'व्यंग्य' लिखे हैं, जिन पर व्यंग्य लिखने की व्यंग्यकारों ने कल्पना भी नहीं की है। व्यंग्य के लिए आप पुरस्कृत हुए हैं कई बार। मैं कैसे कह सकता हूँ कि रेल और नेपाल में से कौनसा विषय ठीक रहेगा? जहाँ तक मेरा मानना है, अच्छा रहे आप दोनों पर व्यंग्य लिख दें। दोनों विषय ज्वलन्त हैं और विसंगत मूल्य उनमें निहित हैं।'

'बात पते की कही है तुमने। विसंगति व्यंग्य को जन्म देती है। अब जरा यह बताओ कि इनमें विसंगति तुम्हारी नजर में क्या हो सकती है?'

मैंने कहा-'इतना समझाया तो मैं खुद व्यंग्य नहीं लिख लेता। मैं भी आपकी ही तरह पत्र-पत्रिकाओं में छपता और नाम व दाम कमाता। विसंगति खोजना मेरे वश में नहीं है।' वे बोले-'मैं सामान्य आदमी के नजरिये से इन दोनों घटनाओं को देखना चाहता हूँ।' दिमाग पर जोर देकर कुछ बोले-'मैं इन दोनों विषयों पर बहुत तीखा लिखना चाहता हूँ।'

'वह तो आपकी परेशानी से लग रहा है कि आपका नित्यप्रति लिखना नितान्त अनिवार्य है। चाहें तो आप सवाल खड़ा कर सकते हैं कि रेलें क्यों भिड़ीं और नेपाल में हिंसा क्यों भड़की? आप तो शब्द शिल्पी हैं, दो-ढ़ाई पृष्ठ लिखना कोई मुश्किल काम नहीं है। अखबारों की माँग पर दोनों व्यंग्य रचनाएँ अब बहुत जरूरी हैं।' मैं बोला तो वे खड़े हो गये और मुड़े-तुड़े अखबारों को फैलाकर पढ़ने लगे। मैंने कहा-'व्यंग्य में आधा विवरण तो घटना और दुर्घटना का देना है। आधा आपका एकालाप हो सकता है।'

उन्होंने क्रोध से मुझे देखा और बोले-'तुम मुझे बता रहे हो कि व्यंग्य कैसे लिखा जाता है। तीन हजार व्यंग्य लिख चुका हूँ मैं। मैं तो यों ही तुम्हारी राय जानना चाह रहा था, तुम तो देने लगे उपदेश।'

'नहीं .... नहीं .... नहीं .... उपदेश मैं क्यों, आप दें, अपनी व्यंग्य रचना के माध्यम से। यह भी तो विसंगति और व्यंग्य है। मेरा मतलब आपका मासिक धर्म यह है कि तीस व्यंग्य रचनायें आपकी छपनी चाहिए। उसके लिए विषय कोई भी हो सकता है। इधर वसंत आ रहा है, वसन्त को भी क्यों छोड़ते हैं, उस पर भी लिखिये व्यंग्य।'

इस बार वे ढ़ीले पड़े और बोले-'तुम काम के आदमी हो। तुम्हारे पास कच्चा माल बहुत है। तुमसे नियमित मिला करूँगा।'

मैं बोला-'मुझसे नियमित नहीं मिल पाओगे। इधर मेरे पास समयाभाव है और फिर मैं आप ही की तरह व्यंग्य लेखन की ओर उन्मुख होना चाहता हूँ।' उन्होंने अखबार समेटे और मुझसे बिना बोले फटाफट चले गये। मेरी समझ में नहीं आया कि उन्होंने मेरी ऐसी उपेक्षा क्यों की? व्यंग्यकार की बेचैनी से मैं अनभिज्ञ था।

जीवन

सीमा जयंत भिसे

(समाजसेवी और लेखिका)

उम्र को अंगूठा दिखाती, ऊर्जावान नलिनी ताई

बूढ़ा होना सिर्फ उम्र बढ़ने का संकेत है। उम्र का आंकड़ा बताता है कि आप का शरीर कितना पुराना हो गया। लेकिन, यदि आपमें जीवन के प्रति जिजीविषा और ऊर्जा है, तो दैनिक जीवन के कामकाज पर कोई असर नहीं पड़ता। नलिनी ताई यानी नलिनी गजानन वेंगुर्लेकर ऐसी ही एक महिला है, जो 88 साल की उम्र में भी सीखने और सिखाने का कोई मौका नहीं छोड़ती।

उम्र बढ़ने से शरीर का बूढ़ा होना जीवन की सामान्य प्रक्रिया है। लेकिन, क्या सिर्फ उम्र की वजह से ही व्यक्ति बूढ़ा होता है! वास्तव में यह सच नहीं है। व्यक्ति शरीर से ज्यादा मन से बूढ़ा होता है। पर, ये स्थिति सबके साथ नहीं आती। जो मन से बूढ़ा नहीं होता, वह उम्र बढ़ने के बाद भी शारीरिक बदलाव को नकार देता है। जैसे कि नलिनी ताई यानी नलिनी गजानन वेंगुर्लेकर। 88 साल की उम्र में भी उनकी सक्रियता कम नहीं हुई! कोई त्यौहार हो या आयोजन नलिनी ताई कभी किसी से पीछे नहीं रहती।

नलिनी ताई महिलाओं के ग्रुप वरिष्ठ सदस्य है। हिंदी, मराठी और अंग्रेजी तीनों भाषाओं पर उनका समान अधिकार है। वे नियम से रोज अखबार पढ़ती हैं। यदि कोई लेख उन्हें पसंद आता है, तो वे उस पर अपने विचार रखने में देर नहीं करती। उनकी जागरूकता दर्शाने की आदत ग्रुप की महिलाओं के लिए प्रेरणा है और अपनी सक्रियता से उन्होंने सभी बांधकर रखा है। वे किसी को ग्रुप से टूटने या नाराज नहीं होने देती। यदि किसी सदस्य को किसी बात पर नाराजगी हो, तो भी नलिनी ताई बड़ी शांति से उसका समाधान करने का मौका नहीं चूकती। कहते हैं कि किसी ने उन्हें कभी चिढ़ते या गुस्से में नहीं देखा।

88 की उम्र में कोई भी हो, उसकी सक्रियता में कमी तो आती है, पर नलिनी ताई एक मिसाल है। नियमित रूप से पैदल सैर करना, हर कार्यक्रम में उत्साह से उपस्थित रहना, दूसरों को प्रोत्साहित करना, संयमित भोजन, गपशप करना जैसी दिनचर्या में ऐसा बहुत कुछ शामिल है। वे रोज 4 से 5 बजे तक धार्मिक पुस्तकों का ऑनलाइन वाचन भी करती है। मीरा देवी, भागवत, शिव पुराण, ज्ञानेश्वरी, दासबोध आदि ग्रंथों को वे पढ़ चुकी हैं। आज भी पेंटिंग करना उनका शौक है। यह आज भी निरंतर जारी है। इस दीपावली पर भी उन्होंने रंगोली बनाई।

नलिनी ताई के पिता एडिशनल जज थे और पति गजानन वेंगुर्लेकर आदिवासी कल्याण विभाग में ज्वाइंट डायरेक्टर। इस कारण झाबुआ, धार, बड़वानी जैसे आदिवासी इलाकों में उनके तबादले होते रहे। पति जहां भी पदस्थ रहे, नलिनी ताई ने वहां की आदिवासी महिलाओं को दोपहर में शिक्षित करती रही। वे खुद पॉलिटिकल साइंस में पोस्ट ग्रेजुएट है। हायर सेकेंडरी स्कूल में प्रधान अध्यापिका रह चुकी हैं। महिला प्रौढ़ शिक्षा की वे संयोजक थी। यह सारे कार्य अपने पांच बच्चों का पालन- पोषण करते हुए किए। पांचों ही बच्चे आज उच्च शिक्षित हैं। हाल ही में वे आप 'पड़ नानी' बनी यानी तीसरी पीढ़ी को गोद में खिलाने का सौभाग्य भी उन्हें मिला।

आज जहां महिलाएं जरा-जरा सी बात पर डिप्रेशन में चली जाती है, जीवन से उन्हें क्या चाहिए उनमें इसकी स्पष्टता नहीं होती। उनके सामने नलिनी ताई वास्तव में अनोखा उदाहरण है। वे सजग और आदर्श महिला का साकार रूप हैं। उनके जैसी प्रेरणा हमारे सामने आदर्श के रूप में मौजूद है, जिससे अन्य महिलाओं में जीने का जज्बा बढ़ता है। भागदौड़, कोलाहल, मन में कुछ और भौतिक पाने की होड़ के सामने वे कुछ अलग है। वे किसी कथा-कहानी की आदर्श नायिका जैसी लगती है, जिनमें खुद जीने का जज्बा है और दूसरों को प्रेरित करने की ऊर्जा भी।

पर्यावरण

बाल मुकुन्द ओझा

लेखक स्तंभकार हैं।

लगातार कम हो रही है मीठे पानी की उपलब्धता

जल मनुष्य को प्रकृति द्वारा दिया गया वरदान है। जल है तो जीवन है। प्रकृति वर्षा द्वारा जल देती है। जल उपलब्धता को लेकर वर्तमान में भारत ही नहीं अपितु समूचा विश्व चिन्तित है। जल ही जीवन है। जल के बिना सृष्टि की कल्पना नहीं की जा सकती। मानव का अस्तित्व जल पर निर्भर करता है। पृथ्वी पर कुल जल का अढ़ाई प्रतिशत भाग ही पीने के योग्य है। इनमें से 89 प्रतिशत पानी कृषि कार्यों एवं 6 प्रतिशत पानी उद्योग कार्यों पर खर्च हो जाता है। शेष 5 प्रतिशत पानी ही पेयजल पर खर्च होता है। यही जल हमारी जिन्दगानी को संवारता है। देश और दुनिया में पीने योग्य मीठे पानी की उपलब्धता लगातार कम हो रही है। मीठा पानी जीवन के लिए ज्यादा महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह पीने के लिए, कृषि कार्यों में, उद्योगों में और स्वच्छता के लिए आवश्यक होता है। मीठा पानी मुख्य रूप से नदियों, झीलों, झरनों और भूमिगत जल भंडारों (जैसे कुएं और जलाशय) में पाया जाता है।

वैज्ञानिकों की एक अंतरराष्ट्रीय टीम ने नासा और जर्मन उपग्रहों से मिले आंकड़ों का इस्तेमाल करते हुए पाया है कि मई 2014 के बाद से धरती पर पीने योग्य पानी की मात्रा में अचानक कमी आई है, और तब से यह कमी लगातार बनी हुई है। अध्ययनकर्ताओं का कहना है कि यह बदलाव इस बात का संकेत है कि पृथ्वी के महाद्वीप सूखे जैसे हालात में प्रवेश कर चुके हैं। रिसर्च के मुताबिक, साल 2015 से लेकर 2023 तक धरती में उपलब्ध मीठे पानी, जिसमें झीलों, नदियों का पानी शामिल है, 2002 से 2014 के बीच के औसत से 1,200 क्यूबिक किलोमीटर कम हो गया है। सूखा पड़ने पर खेतों में ज्यादा सिंचाई की जरूरत होती है, और इससे खेतों और शहरों को ज्यादा पानी के लिए भूमिगत जल पर निर्भर होना पड़ता है। इस कारण भूमिगत जल का स्तर गिरने लगता है। बारिश और बर्फबारी से ये जल स्रोत फिर से नहीं भर पाते और इसके बाद और अधिक भूजल निकाला जाता है, जिससे पानी की आपूर्ति और भी कम हो जाती है।

जल मनुष्य को प्रकृति द्वारा दिया गया वरदान है। जल है तो जीवन है। प्रकृति वर्षा द्वारा जल देती है। जल उपलब्धता को लेकर वर्तमान में भारत ही नहीं अपितु समूचा विश्व चिन्तित है। जल ही जीवन है। जल के बिना सृष्टि की कल्पना नहीं की जा सकती। मानव का अस्तित्व जल पर निर्भर करता है। पृथ्वी पर कुल जल का अढ़ाई प्रतिशत भाग ही पीने के योग्य है। इनमें से 89 प्रतिशत पानी कृषि कार्यों एवं 6 प्रतिशत पानी उद्योग कार्यों पर खर्च हो जाता है। शेष 5 प्रतिशत पानी ही पेयजल पर खर्च होता है। यही जल हमारी जिन्दगानी को संवारता है।

दबाव बढ़ रहा है। पानी की खपत की दृष्टि से विश्व में भारत का दूसरा स्थान है लेकिन दूसरी तरफ भूजल का दोहन भी उतनी तेजी से हो रहा है। जलवायु परिवर्तन, जनसंख्या विस्फोट और परंपरागत जल स्त्रोतों के अत्यधिक दोहन की वजह से भूजल का स्तर लगातार कम होता जा रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत विश्व के कुल भूजल का 24 फीसदी इस्तेमाल करता है। शहरों के साथ साथ ग्रामीण क्षेत्रों में जिस तरह से जल स्तर कम हो रहा है उससे भविष्य में संकट और गहरा हो सकता है। धरती का करीब तीन चौथाई हिस्सा पानी पानी से भरा हुआ है, लेकिन इसमें से सिर्फ तीन फीसदी हिस्सा ही पीने योग्य है। भारत अपनी जल-जरूरतों की पूर्ति के लिए सबसे ज्यादा भू-जल पर ही निर्भर है। यह ग्रामीण एवं शहरी घरेलू जलापूर्ति का एक महत्वपूर्ण स्रोत है।

संयुक्त राष्ट्र के अनुसार 3 में से 1 व्यक्ति सुरक्षित पेयजल के बिना रहता है। दुनिया की आधी आबादी 2025 तक जल-तनावग्रस्त क्षेत्रों में रह रही होगी। दुनिया में लगभग 2.2 बिलियन लोग सुरक्षित पानी तक पहुंच के बिना रह रहे हैं। पृथ्वी का तीन चौथाई भाग पानी से ढका है मगर इस जल का 99 प्रतिशत पानी पिया नहीं जा सकता और पीने योग्य पानी पृथ्वी पर मात्र एक प्रतिशत ही है। पेयजल के महत्व को देखते हुए भूजल प्रबंधन महत्वपूर्ण हो जाता है। भूजल प्रबंधन के लिए पूरे विश्व को एक साथ मिलकर काम करने की जरूरत है। भारत में विश्व की 17 प्रतिशत जनसंख्या निवास करती है किंतु जल उपलब्धता मात्र चार प्रतिशत है। पृथ्वी पर कुल जल का अढ़ाई प्रतिशत भाग ही पीने के योग्य है। इनमें से 89 प्रतिशत पानी कृषि कार्यों एवं 6 प्रतिशत पानी उद्योग कार्यों पर खर्च हो जाता है। शेष 5 प्रतिशत पानी ही पेयजल पर खर्च होता है। यही जल हमारी जिन्दगानी को संवारता है।

पिछले कुछ वर्षों में सिंचाई एवं अन्य कार्यों के लिए भूमिगत जल के अत्यधिक प्रयोग के कारण भूमिगत जल के स्तर में गिरावट आई है। सभी स्रोतों से प्राप्त जल मनुष्य के लिए उपयोगी नहीं होता। औद्योगीकरण के कारण नदियों का जल प्रदूषित होता जा रहा है, इन्हीं कारणों से मानव जगत् में पेयजल की समस्या उत्पन्न हो गई है । सरकार को जनता में जागरूकता लाने के लिए विशेष प्रबंध और उपाय करने होंगे। आवश्यकता इस बात की है कि हम जल के महत्व को समझे और एक-एक बूंद पानी का संरक्षण करें तभी लोगों की प्यास बुझाई जा सकेगी।

साहित्य

विवेक कुमार मिश्र

लेखक हिंदी के प्रोफेसर हैं।

संसार से एक नया संसार रचता है कवि

सामान्य मनुष्य के लिए यह संसार और सांसारिक पदार्थ उपयोग के लिए एक संसाधन की तरह आते हैं वहीं कवि के यहां यह संसार साक्षात्कार होने के क्रम में एक नई दुनिया की कहानी कह रहा होता है। कवि रचता है और एक नई दुनिया रच कर हमें दे जाता है जो हमें मिली नहीं होती। दी गई दुनिया से न ई दुनिया बनाने का कार्य ही कवि का नया और इस संसार में कुछ नया जोड़ने का काम हो जाता है जो बहुत ही मूल्यवान है। कविता मनुष्य को न केवल आश्चर्य में डालती है बल्कि संसार को समझने के क्रम में सांसारिक होना सीखाती है। कविता संसार और मन मस्तिष्क के आत्मीय संवाद से जन्म लेती है और स्थाई रूप से मानव मन मस्तिष्क की स्मृति का भाग हो जाती है। कवि के यहां कविता जिस रूपाकार में जन्म लेती है उससे बहुत अलग होकर वह संसार तक यानी पाठक तक पहुंचती है। कवि के यहां पहले पहल संसार का साक्षात् होता है फिर यह साक्षात् संसार कवि के मन मस्तिष्क में एक कालखंड तक संवाद करता रहता है और फिर इस मानसिक और कायिक संवाद के क्रम में जब कवि कहे बिना नहीं रह पाता तो कविता की उपस्थिति कवि के यहां दर्ज हो जाती है। यह जो कविता है एक समय के बाद ही अभिव्यक्ति के क्रम में अभिव्यक्त होने के लिए समाज में संसार में आती है। यहां कवि के साक्षातकृत सत्य को समाज अपने ढ़ंग से और अपनी क्षमताओं के आधार पर ग्रहण करता है। एक कवि का संसार में होना इसलिए जरूरी होता है कि संसार अपनी सांसारिक सत्ता में होने के क्रम में कहीं खत्म न हो जाएं। इस ख़त्म होते संसार को सांसारिक बनाये रखने का काम कविता करती है।

कविता सबसे पहले मनुष्य को आश्चर्य लोक में ले जाती है । यह आश्चर्य कहीं और नहीं इसी संसार में चलते उठते बैठते मिलता है। संसार से विमुख होकर न तो संसार का ज्ञान किया जा सकता है और न ही संसार को समझा जा सकता है। संसार सभ्यता और संस्कृति को समझने के क्रम में ही कविताएं सामने आती हैं । कवि और कविता का राज वहां होता है जहां मनुष्य अपनी समस्त इच्छाओं के साथ जीवित संवेदन को लेकर प्रस्तुत होता है और इस क्रम में मनुष्य के सामने जीवित जीवंत कविताएं आती हैं। जीवन संसार अलग ढ़ंग से ही कवि के यहां आता है। सामान्य मनुष्य के लिए यह संसार और सांसारिक पदार्थ उपयोग के लिए एक संसाधन की तरह आते हैं वहीं कवि के यहां यह संसार साक्षात्कार होने के क्रम में एक नई दुनिया की कहानी कह रहा होता है। कवि रचता है और एक नई दुनिया रच कर हमें दे जाता है जो हमें मिली नहीं होती। दी गई दुनिया से न ई दुनिया बनाने का कार्य ही कवि का नया और इस संसार में कुछ नया जोड़ने का काम हो जाता है जो बहुत ही मूल्यवान है। कविता मनुष्य को न केवल आश्चर्य में डालती है बल्कि संसार को समझने के क्रम में सांसारिक होना सीखाती है। कविता संसार और मन मस्तिष्क के आत्मीय संवाद से जन्म लेती है और स्थाई रूप से मानव मन मस्तिष्क की स्मृति का भाग हो जाती है। कवि के यहां कविता जिस रूपाकार में जन्म लेती है उससे बहुत अलग होकर वह संसार तक यानी पाठक तक पहुंचती है। कवि के यहां पहले पहल संसार का साक्षात् होता है फिर यह साक्षात् संसार कवि के मन मस्तिष्क में एक कालखंड तक संवाद करता रहता है और फिर इस मानसिक और कायिक संवाद के क्रम में जब कवि कहे बिना नहीं रह पाता तो कविता की उपस्थिति कवि के यहां दर्ज हो जाती है। यह जो कविता है एक समय के बाद ही अभिव्यक्ति के क्रम में अभिव्यक्त होने के लिए समाज में संसार में आती है। यहां कवि के साक्षातकृत सत्य को समाज अपने ढ़ंग से और अपनी क्षमताओं के आधार पर ग्रहण करता है। एक कवि का संसार में होना इसलिए जरूरी होता है कि संसार अपनी सांसारिक सत्ता में होने के क्रम में कहीं खत्म न हो जाएं। इस ख़त्म होते संसार को सांसारिक बनाये रखने का काम कविता करती है।

कविता की बुनावट किसी भी धरातल पर, किसी भी क्रम में क्यों न हो वह सबसे पहले अपने समाज और संसार से संवाद है। सबसे सुंदर कविता - समाज के साथ सबसे निकट का साक्षात्कार व संवाद होता है। अक्सर कविता के संसार में - फूल, पत्तियां, चिड़िया, तितली, नदियां, पहाड़, घर, आंगन, परिवार और सामाजिक रिश्ते आते हैं तो उसके पीछे कवि की सामाजिक संलगनता का ही सवाल होता है। कविता में जो मानवीय संसार और चरितगाथा जिस तरह आता है वह कवि के द्वारा सघन साक्षात्कार का ही परिणाम होता है। यह संलग्नता ही उसे घर, परिवार समाज और संसार के क्रम में संसार भर की चिंताओं से जोड़ देती है। एक कवि-लेखक द्वारा अपने सामाजिक संदर्भ में विचार व चिंतन को आगे बढ़ाया जाता है। बड़े कवि के यहां निजी दुनिया, निजी संसार के संघर्ष कम ही सामने आते हैं। कहीं आते भी हैं तो वह पूरे सांसारिक संदर्भ और संसार के उदाहरण बनकर आते हैं। एक कवि इस बात से महत्वपूर्ण नहीं होता है कि वह अपने चिंतन में, विचार क्रम में अपनी निजता और अपने पारिवारिक संदर्भों को या अपने मित्रों को कहां और कितनी जगह दे पाता है बल्कि उसकी महानता इस बात से होती है कि उसके यहां मनुष्य मात्र के दुःखों को कितनी गहराई व पीड़ा के साथ रखा गया है। यह रखना केवल संसार को दिखाने के लिए नहीं है बल्कि इन दुःखों से निकलने के लिए उसकी कविता क्या विकल्प का संसार रचती है और किस रूप में रचती है? यह देखना महत्वपूर्ण हो जाता है। अपने समय का यथार्थ हर कवि के यहां कठिन होता है - यहीं पर कवि की परीक्षा भी होती है कि वह अपने समकाल में कहां है और अपने समकालीन संदर्भों से टकरा रहा है कि नहीं, उनके समानांतर कवि किस तरह के राज समाज की रचना कर रहा है - यह सब कविता पर विचार करते हुए देखना जरूरी हो जाता है।

आप पढ़ते और देखते हैं कि भक्तिकाल के हर कवि के यहां समाज से गहरा संवाद है। इस क्रम में हर कवि का अपना संसार है। कवि के यह संसार बाजार और मेले के रूपक में आता है। यहीं पर वह संसार से मुखातिब होकर संवाद करता है। यह संसार कवि के द्वारा मनुष्य मात्र के लिए रचा गया है। कबीर के यहां यदि यथार्थ से तिखी टकराहट है, समाज में परस्पर विरोधी धारणाओं के बीच एक नई दुनिया की खोज कबीर करते हुए दिखते हैं। उनके यहां यदि 'ढ़ाई आखर' का घर है तो 'ब्रहमदेश' है जहां अनंत प्रेम की बरसात हो रही है। सदा बसंत ऋतु रहती है। यह सब वास्तविक दुनिया में नहीं है पर कवि की दुनिया में यह सब घटित होता है। इसके लिए साधना के मार्ग से गुजरना पड़ता है। सूर के यहां 'बैकुंठधाम' है, मीरा के यहां 'अविनाशी पुरुष' है और तुलसी के 'रामराज्य' में मध्यकालीन संसार के यथार्थ से मुक्ति की सहज तलाश दिखाई देती है । यदि मध्यकालीन समाज का यह यथार्थ है कि -

'खेती न किसान को भिखारी को भीख नहीं
बनिक बनिज नहीं चाकर को चाकरी नहीं ।
सिद्धमान सोच सब कहां जाएं का करिं ।।'

जब समाज में किसी के पास कुछ करने को नहीं होता जहां ये स्थिति हो कि - 'बिन अन्न दुखी सब लोग मरे।' वहां कवि के राज में कवि के संसार में ही यह संभव होता है कि -

'दैहिक दैविक भौतिक तापा।
रामराज्य कबहुं नहीं व्यापा ।।
नहीं कोई अबुध न लक्षण हीना
रामराज्य बैठे त्रेलोका
हर्षित भये सब सोका।।'

यह व्यवस्था यह कवि का दिया हुआ संसार कवि के स्वराज्य का घोषित सत्य है कि कवि के राज में किसी को किसी तरह का संकट नहीं है । कवि के यहां यह स्वराज तभी मिलता है जब कवि अपने समय संसार में होता है। अपनी संरचना और वर्तमान व्यवस्था से टकराता है। अपनी जनता के लिए जब वह कुछ करता है तो बड़ी से बड़ी सत्ता से टकराना कवि के लिए आसान तो नहीं पर जरूरी हो जाता है। इसका पर्याप्त संकेत कबीर और तुलसी के यहां देखने को मिलता है। ये कवि चाहते तो सत्ता के साथ मिलकर आराम से दरबारी कवि होने का तमगा हासिल कर सकते थे। सुख सुविधा के बीच रह सकते थे। पर इन लोगों ने जनता के साथ जनता के दुख से साझा करना उचित समझा और इसीलिए इनकी कविताओं में वह ताप है जो आज भी जनता को राहत दिखाने कार्य करती है। अपने समाज की स्थितियों से, अपने जमाने के सच से, अपने समय की भुखमरी से न केवल टकराते हैं बल्कि उसके समाधान में एक प्रति संसार भी प्रस्तुत करते हैं। यह प्रति संसार उस समय से आगे का समाज है। यह कवि का समाज है जिसमें सबके लिए जगह है। यह कवि राज सही मायने में लोकतांत्रिक चेतना का राज है जिसे कवि विवेक से हासिल किया गया है । कवि की चेतना सत्ता की आकांक्षा बन जाती है। यहीं से किसी कवि लेखक की प्रासंगिकता का सवाल भी सामने आता है। उसकी उपलब्धियों पर विचार विमर्श का अवसर भी मिलता है। भक्ति कविता सामाजिक संदर्भ और लोकतांत्रिक चिंताओं के लिए एक बड़ा आकाश प्रदान करती है। इन कवियों की कविताओं का बारीकी से पाठ करें, इन्हें समझे कि जो कुछ यहां कहा जा रहा है वह क्यों कहा जा रहा है और इस कविता से भविष्य के सवालों और संदर्भों को कैसे जोड़ा जाएं? यह भक्ति कविता के साक्षात्कार के समय सबसे बड़ा सवाल होता है।

बोर में फंसे कोबरा का किया सुरक्षित रेस्क्यू

बैतूल। डेढ़ सौ फुट गहरे पानी के बोर में फंसे कोबरा का सर्पमित्र से सुरक्षित रेस्क्यू कर जंगल में छोड़ा। सांप सांप दो दिन से बोर में फंसा हुआ था। जानकारी के अनुसार ग्राम मलकापुर के किसान पुष्प मालवीय के खेत के बोर में पिछले दो-तीन दिन से पानी की मोटर जाम हो गई थी। जब मोटर से पानी आना बंद हो गया, तो उसे बाहर निकालने की कोशिश की गई। इस दौरान बोर से फुंकार की आवाज सुनाई दी। इसके बाद ये अनुमान हुआ कि बोर में कोई सांप फंसा है। जिसकी सूचना सर्पमित्र विशाल विश्वकर्मा को दी गई। सर्पमित्र विशाल विश्वकर्मा ने मौके पर पहुंचकर बोर से सांप का सुरक्षिस रेस्क्यू किया। कोबरा करीब पांच फुट लंबा था और तीन दिन से बोर में फंसा होने के कारण सुस्त हो गया था। पुष्प मालवीय ने बताया कि कोबरा बोर की केसिंग के ढक्कन से होकर पाइप के जरिए नीचे उतर गया और मोटर पर जा बैठा, जिससे पानी की मोटर जाम हो गई थी।

आदतन अपराधी को किया जिला बदर

बैतूल। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट बैतूल नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने आदतन अपराधी तुषार उर्फ नन्दी उर्फ आनंद पिता अजाबराव झरबडे को जिला बदर किया है। राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 की धारा 5 (क) एवं (ख) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कलेक्टर ने तुषार उर्फ नन्दी उर्फ आनंद पिता अजाबराव झरबडे उम्र 29, निवासी कृष्णपुरा वार्ड टिकारी बैतूल थाना कोतवाली जिला बैतूल को उससे लगे सीमावर्ती जिले छिन्दवाडा, नर्मदापुरम, खण्डवा एवं हरदा की राजस्व सीमाओं से 1 (एक) वर्ष की अवधि के लिए निष्कासित किया हैं।

सारनी नपा के वार्ड क्रमांक 33 में ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग पर लगा प्रतिबंध

बैतूल। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने नगर पालिका उप निर्वाचन-2024 के अनुक्रम में नगर पालिका परिषद सारणी के नगरी निर्वाचन क्षेत्र के वार्ड क्र.-33 में कोलाहल पर नियंत्रण लागू किया है। आदेश का उल्लंघन करने पर ध्वनि विस्तारक यंत्रों की जप्ती की कार्रवाई की जाएगी। जारी आदेश के अनुसार नगर पालिका उप निर्वाचन-2024 को दृष्टिगत रखते हुए निर्वाचन प्रचार-प्रसार कार्य में लाउडस्पीकर के अनियंत्रित उपयोग से होने वाली जन परेशानी, ध्वनि प्रदूषण व शांति व्यवस्था के हित में मध्य प्रदेश कोलाहल नियंत्रण अधिनियम 1985 की धारा 10(2) के अंतर्गत आदेश दिनांक से निर्वाचन परिणाम की घोषणा 12 दिसंबर 2024 तक की अवधि में बैतूल जिले की नगर पालिका परिषद सारणी के नगरी निर्वाचन क्षेत्र वार्ड क्रमांक 33 में कोलाहल नियंत्रण लगाया गया है। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने अनुविभागीय अधिकारी राजस्व शाहपुर को सारनी नगर पालिका परिषद में विहित प्राधिकारी नियुक्त किया है। विहित प्राधिकारी की लिखित अनुमति के बिना ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग नहीं किया जा सकेगा। जारी आदेश के अनुसार आम सभ, जुलूस एवं प्रचार कार्य हेतु लाउडस्पीकर/ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग की अनुमति रात्रि 10 बजे से प्रातः 6 बजे के मध्य नहीं दी जाएगी। इसके अलावा ट्रक, जीप, टेंपो, ऑटो, रिक्शा, तांगा आदि वाहनों से चुनाव प्रचार की अनुमति आवेदन करने पर ही दी जाएगी। उक्त आवेदन पत्र में वाहन के पंजीयन क्रमांक का उल्लेख करना अनिवार्य होगा। बिना अनुमति के लाउडस्पीकर/ध्वनि विस्तारक यंत्र द्वारा प्रचार-प्रसार करने पर या अनुमति में दर्शित अवधि के पश्चात लाउडस्पीकर, ध्वनि प्रदूषण यंत्र का उपयोग करते पाए जाने की दशा में जप्ती की कार्रवाई की जाएगी।

लक्ष्यों की पूर्ति ना होने पर वेतनवृद्धि रोकने दिए नोटिस

बैतूल। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजनान्तर्गत वर्ष 2024-25 में जिले को प्राप्त लक्ष्यों की समीक्षा बैठक ली। समीक्षा के दौरान शून्य, अल्प, अत्यन्त कम प्रगति वाले अधिकारी, कर्मचारियों पर नाराजगी व्यक्त करते हुए वेतनवृद्धि रोकने कारण बताओं नोटिस जारी किए गए। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने उप संचालक उद्यान को निर्देशित किया कि संबंधित अधिकारी, कर्मचारियों से 30 नवम्बर 2024 तक प्रचार-प्रसार करते हुए बैंकों एवं उद्यमियों के साथ लंबित प्रकरणों के संबंध में शिविर लगाकर निराकरण करने तथा अधिक से अधिक आवेदन कराकर शत-प्रतिशत लक्ष्य-पूर्ति कराने के निर्देश दिए गए।

प्रिया कवड़े को नीट परीक्षा में मिली सफलता

बैतूल। आदर्श ग्राम बाचा की बेटी प्रिया कवड़े ने नीट परीक्षा में शानदार सफलता हासिल की है। प्रिया का गवर्नमेंट वेटनरी साइंस एंड एनिमल हसबेंडरी कॉलेज, रीवा में चयन हुआ है। पिता अजय कवड़े और भाई। प्रहलाद कवड़े के निधन के बाद मुश्किल हालातों में भी प्रिया ने अपनी मेहनत और लगन से यह उपलब्धि हासिल की। प्रिया का कहना है कि उनके पिता का सपना था कि वह डॉक्टर बनें। आज अपने परिवार और गांव के सहयोग से वह उस सपने को साकार कर रही हैं।

आईटीआई के छात्र ने खाया जहर, मौत

बैतूल। आईटीआई के एक छात्र ने अज्ञात कारणों से जहर खा लिया। छात्र को उपचार के लिए भोपाल ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। मृतक नीरज उईके (24) जेएच कॉलेज के पास एक मकान में किराए से रहकर एक निजी कॉलेज में आईटीआई की पढ़ाई कर रहा था। मृतक के भाई धीरज ने बताया कि वे लोग शाहपुर के कुंडी गांव में रहते है। गुरुवार की रात बैतूल से नीरज के दोस्तों का फोन आया कि उसने कुछ खा लिया है। उसे अस्पताल में भर्ती कराया है। सूचना पर परिवार यहां पहुंचा। उसकी हालत गंभीर होने के चलते उसे रात में ही भोपाल रेफर कर दिया गया था, लेकिन एम्बुलेंस में उसने इटारसी के पास दम तोड़ दिया। जिसे वापस जिला अस्पताल लाया गया। धीरज के मुताबिक नीरज ने यह कदम क्यों उठाया इसकी किसी को जानकारी नहीं है। पुलिस मर्ग कायम कर घटना की जांच कर रही है। महिला ने खाया जहरीला पदार्थ, डायल-100 ने बचाई जान - आमला क्षेत्र के हरदोली गांव में 35 वर्षीय महिला ने अज्ञात कारणों से जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया।

ठंडी हवाओं से गिरा अधिकतम-न्यूनतम तापमान, ठंड से बचने लोग ले रहे गर्म कपड़े और अलाव का सहारा

गुरुवार रही सीजन की सबसे ठंडी रात, 12.2 डिग्री दर्ज किया तापमान

बैतूल। उत्तर भारत में चल रही सर्द हवाओं का असर अब जिले के तापमान पर भी दिख रहा है। गुरूवार रात का तापमान 12.2 डिग्री पर आ गया था, जबकि अधिकतम तापमान में भी कमी आई है। अधिकतम तापमान 25.7 डिग्री दर्ज किया गया। पिछले 24 घंटे में न्यूनतम तापमान में 0.5 डिग्री और अधिकतम तापमान में 0.8 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई है। इससे दिन और रात ठंडे होते जा रहे हैं। मौसम वैज्ञानिक के अनुसार उत्तर भारत में चल रही ठंडी हवाएं और बर्फबारी के चलते तापमान धीरे-धीरे कम होते जा रहा है। जिले के हालात यह है कि शाम चार बजे के बाद ठंड का असर शुरू हो जाता है, जो रात होते ही बढ़ जाता है। मौसम में आए बदलाव के चलते लोगों ने गर्म कपड़े पहनना शुरू कर दिया है। आने वाले दिनों में तापमान में और गिरावट आने की संभावना है। गौरतलब रहे कि 2023 को नवंबर के अंतिम सप्ताह में मावठे की बारिश होने के बाद ठंड बढ़ी थी, लेकिन तापमान 13 और 14 डिग्री के बीच ही रहा था। दिसंबर के पहले सप्ताह में भी तापमान में ज्यादा गिरावट दर्ज नहीं की गई। उसके बाद तापमान में गिरावट आई थी।

एक सप्ताह पहले 14.4 दर्ज किया था तापमान-जिले में अब ठंड का असर बढ़ने लगा है। रात का तापमान नीचे गिरते जा रहा है। पिछले एक

सप्ताह के अंदर अधिकतम और न्यूनतम तापमान में लगातार गिरावट आई है। एक सप्ताह पहले यानि 15 नवंबर को जिले का न्यूनतम तापमान 14.4 डिग्री और अधिकतम 29.0 डिग्री था, जो अब कम होते-होते 12.2 और 25.7 पर पहुंच गया है। जो सीजन का सबसे न्यूनतम तापमान है। इससे पहले 18 नवंबर को न्यूनतम तापमान 13.4 और अधिकतम तापमान 27.5 डिग्री दर्ज किया था। मौसम वैज्ञानिक के अनुसार तीन दिनों तक तापमान में तेजी से गिरावट आएगी और ठंड बढ़ जाएगी।

ठंडी हवाओं के कारण बढ़ी ठिठुरन- शाम के समय से ही ठंडी हवाएं चलने लगती है जो वातावरण में ठंडक बनाए हुए है। रात के साथ दिन में भी ठंडी हवाएं चलने से लोगों को गर्म कपड़ों का सहारा लेना पड़ रहा है। लोगों का कहना है कि पहाड़ी इलाका होने से बैतूल जिले में ठंड का मौसम दीपावली से ही आ जाता है। इस बार भी चार दिनों से तापमान 12.5-12.7 के बीच चल रहा है। अभी तो खेतों में पलेवा और कही-कहीं पर सिंचाई कार्य चल रहा है। जैसे-जैसे खेतों की सिंचाई बढ़ेगी, वैसे-वैसे ठंड के भी और रफ्तार पकड़ने की संभावना है।

ठंड से बचने गर्म कपड़ों का सहारा- ठंड से बचने के लिए लोगों ने गर्म कपडों और अलाव का सहारा लेना शुरू कर दिया है। ठंडी हवाओं ने ठिठुरन और बढ़ा दी है। मौसम में यह बदलाव जहां बच्चों और वृद्धों की सेहत पर पड़ रहा है, वहीं इन दिनों सर्दी का असर तेजी से बढने लगा है। रात 10 बजे के बाद ठंड की वजह से शहर की सडक़े सूनसान होने लगी है। सर्दी से बचने के लिए लोगों के लिए गर्म कपड़े और आग ही बड़ा सहारा है। सर्द हवाओं के आगे धूप भी सर्दी का असर कम नहीं कर पा रही है। न्यूनतम तापमान में गिरावट आने का असर आम जनजीवन पर पडना शुरू हो गया है।

जिले में पिछले एक सप्ताह का तापमान

तारीख	न्यूनतम	अधिकतम
15 नवं.	14.4	29.0
16 नवं.	12.5	28.5
17 नवं.	12.7	28.5
18 नवं.	13.4	27.5
19 नवं.	12.5	27.5
20 नवं	12.5	27.0
21 नवं	12.7	26.5
22 नवं	12.2	25.7

नपा सीएमओ ने आश्रय स्थल का किया औचक निरीक्षण

बैतूल। राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन अंतर्गत संचालित दीनदयाल रसोई योजना एवं मुख्यमंत्री आश्रय स्थल बैतूल का नगरपालिका परिषद बैतूल के मुख्य नगरपालिका अधिकारी सतीश कुमार मतसेनिया ने शुक्रवार को औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान रसोई योजना के अंतर्गत एवं आश्रय स्थल में जरूरी आवश्यक व्यवस्थाएं बनाए रखने के लिए प्रभारी अधिकारी एवं कर्मचारियों को निर्देश दिए तथा योजना अंतर्गत हितग्राहियों को आवश्यक सुविधा उपलब्ध कराने के लिए कहा। बैतूल सीएमओ श्री मतसेनिया ने शरद एवं शीतऋतु को ध्यान में रखते हुए आवश्यक व्यवस्थाएं जैसे अलाव, गर्म पानी इत्यादि व्यवस्था करने तथा रात्रि भ्रमण कर बेघरों को मोबाइल वेन द्वारा आश्रय स्थल में लाने के निर्देश दिए हैं। निरीक्षण के दौरान प्रभारी अधिकारी सीटी मिशन मैनेजर हंसराज मसतकर एवं अखिलेश चौहान उपस्थित थे। जिन्होंने आश्रय स्थल में जरूरी आवश्यक व्यवस्थाए के लिए आश्रय स्थल प्रबंधक सुशील रागडे को निर्देशित किया। नगरपालिका बैतूल शहरी विकास अभिकरण शाखा के प्रभारी सिटी मिशन मैनेजर हंसराज मसतकर ने बताया कि वर्तमान में बैतूल आश्रय स्थल 25 महिला एवं 25 पुरुष क्षमता वाला है। जहाँ औसतन 18 लोग प्रतिदिन रहते है। उन्होंने बताया कि शासन के निर्देशानुसार शीतऋतु को ध्यान में रखते हुए सीएमओ श्री मतसेनिया ने सभी आवश्यक व्यवस्थाएं देखी और मौसम के मद्देनजर व्यवस्था अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए निर्देशित किया है।

आज निकलेगी बाबा काल भैरव की पेशवाई

भजन-कीर्तन, अखाड़ों का होगा प्रदर्शन

बैतूल। भैरव अष्टमी के अवसर पर आज 23 नवंबर, शनिवार को शाम 4 बजे चक्कर रोड से बाबा काल भैरव की भव्य पेशवाई निकाली जाएगी। आयोजन समिति के सदस्यों ने बताया कि भैरव अष्टमी के अवसर पर यह भव्य पेशवाई पिछले तीन वर्षों से धूमधाम से आयोजित की जा रही है। बाबा काल भैरव की पालकी को परंपरागत अनुष्ठानों के साथ भक्तों के बीच निकाला जाएगा। इस वर्ष भी आयोजन में भक्तिमय झांकियों, भजन-कीर्तन और अखाड़ों के प्रदर्शन का विशेष आयोजन किया गया है। बाबा काल भैरव समिति के आयोजकों ने बताया कि यह पेशवाई बाबा काल भैरव के प्रति श्रद्धा का प्रतीक है और इसमें शामिल होकर भक्त अपनी आस्था व्यक्त करते हैं। समिति ने सभी श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे इस कार्यक्रम में बढ़-चढक़र हिस्सा लें और बाबा का आशीर्वाद प्राप्त करें। भव्य पेशवाई चक्कर रोड से प्रारंभ होकर थाना चौक, अखाड़ा चौक, लक्ष्मी चौक से होते हुए थाना चौक तक पहुंचेगी और महाकाल मंदिर में समापन होगा। भक्तों के बीच इस आयोजन को लेकर विशेष उत्साह देखा जा रहा है। आयोजन समिति ने बताया कि इस यात्रा को भक्ति और आस्था का अनूठा अनुभव बनाने के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शाहपुर में कर्मचारियों की कमी

शाहपुर। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में कर्मचारियों की कमी दिन पर दिन बढ़ती जा रही है। महिला डॉक्टर तो यहां कभी आती ही नहीं। उसी के साथ-साथ नेत्र विभाग के सुरेश गडेकर

के सेवानिवृत होने के बाद नेत्र विभाग में हमेशा ताला लगा रहता है। शासन और जिला प्रशासन की ओर से इनकी सेवानिवृत्ति के दो माह बाद भी चिकित्सक की पदस्थापना को लेकर कोई पहल नहीं की गई। एक्स-रे रूम में ड्यूटी कर्मचारी दो हैं, परंतु एक कर्मचारी एक माह की छुट्टी पर गए हुए हैं। दूसरे कर्मचारियों को 2 दिन के लिए स्वास्थ्य केंद्र घोड़ाडोंगरी में ड्यूटी करने जाना पड़ रहा है। बाकी के चार दिन में शाहपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में ड्यूटी करते हैं। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शाहपुर नेशनल हाईवे पर स्थित एकमात्र चिकित्सा का केंद्र है। जहां पर प्रतिदिन कोई ना कोई सडक़ दुर्घटना के केस आते हैं। नागरिकों का कहना है कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शाहपुर में दो दिन एक्स-रे नहीं किया जा रहा है, तो नागरिकों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस संबंध में विकासखंड चिकित्सा अधिकारी शाहपुर एसके रघुवंशी से बात की गई, तो उन्होंने बताया कि उन्होंने नेत्र विभाग के कर्मचारियों के लिए अपने उच्च अधिकारियों को पत्र के माध्यम से सूचना भेज दी है।

लगभग 2 साल से अधूरा निर्माण, छात्र हो रहे परेशान

शाहपुर। नगर स्थित एकमात्र खेल परिसर जो बरसों पूर्व निर्मित किया गया था, उस खेल परिसर में आने जाने वाला मार्ग बहुत बुरी और खस्ताहाल में है। खेल परिसर बिल्डिंग का कार्य भी आज भी अधूरा है। रोड निर्माण का कार्य तो पूरा हुआ ही नहीं। परिसर में रहने वाले लगभग 60 छात्र जो कक्षा पांचवी से लेकर 12 वीं तक पढ़ते हैं, ने बताया कि खेल परिसर के मार्ग से तो स्कूल जाते ही नहीं है। उसका उपयोग भी नहीं हो पा रहा है। ठेकेदार के द्वारा निर्माण कार्य तो सडक़ मार्ग का शुरू किया था, उस मार्ग में गिट्टी पड़ी है जिसके कारण साइकिल मोटरसाइकिल गाड़ी चलाना बहुत कठिन है। पैदल तो आप चल ही नहीं सकते, क्योंकि गिट्टी पैरों में जूते, चप्पल को भेदते हुए चुभती है कि उस पर चला नहीं जा सकता।

साप्ताहिक बाजार में ठेकेदार की मनमानी जारी

भौरा। ग्राम पंचायत भौरा के साप्ताहिक हाट बाजार में ठेकेदार की मनमानी वसूली की शिकायतें थमने का नाम नहीं ले रही हैं। ठेकेदार ने 9.05 लाख रुपये में बाजार का ठेका लिया है, लेकिन वह छोटे दुकानदारों से तय शुल्क से अधिक वसूली कर रहा है। पंचायत ने कई बार कार्रवाई का दावा किया है, मगर ठेकेदार पर अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। ग्राम सिलपटी से सब्जी बेचने वाले उमेश भनारे ने बताया, हम जैसे छोटे व्यापारियों से 50 वसूले जा रहे हैं। अगर विरोध करे तो दुकान लगाने से रोक दिया जाता है। सिंघाड़ा बेचने आए सुमित कहार ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा, छोटे दुकानदार पहले ही महंगाई की मार झेल रहे हैं। ऊपर से ठेकेदार की मनमानी हमे व्यापार छोडऩे पर मजबूर कर रही है। शाहपुर से मिर्च-मसाले बेचने आई अंजलि कहार ने कहा हमसे 50 मांगा जाता है, जबकि तय शुल्क इससे कम है। वही झाड़ू लगाने वाले भी अलग से 10 वसूलते हैं। ग्राम भैयावाली से सब्जी बेचने आई कमलाबाई ने कहा, मैं अपनी उगाई सब्जियां बेचती हूं। ठेकेदार 50 मांगता है और पैसे कम देने पर दुकान लगाने से मना कर देता है। इस बाजार में छोटे व्यापारियों का जीना मुश्किल हो गया है।

पंचायत की अनदेखी और अधूरी कार्रवाई- पंचायत सचिव राजेश उईके का कहना है, नियमानुसार प्रति दुकान 20-30 से अधिक शुल्क नहीं लिया जा सकता। हमने ठेकेदार को पंचायत में बुलाकर हिदायत दी है कि रसीद के बिना वसूली न करे। व्यापारियों को भी निर्देश दिया गया है कि बिना रसीद के भुगतान न करें। हालांकि, यह पहली बार नहीं है जब पंचायत ने ठेकेदार पर सख्ती का दावा किया हो। व्यापारियों का कहना है कि पंचायत हर बार बैठक कर मामले को शांत करने की कोशिश करती है, लेकिन ठेकेदार की वसूली जस की तस बनी रहती है। दुकानदारों का कहना है कि उन्होंने कई बार पंचायत के साथ-साथ तहसील और जिला प्रशासन को शिकायत दर्ज कराई, लेकिन आज तक न ठेकेदार पर जुर्माना लगा और न ही उसकी नीलामी रद्द हुई।

कलेक्टर द्वारा की जा रही अभियान की सतत मॉनिटरिंग

● अभिलेख दुरुस्ती के नवीन दर्ज प्रकरणों में जिला प्रदेश में दूसरे स्थान पर

बैतूल। जिले में राजस्व महाअभियान 3.0 का प्रभावी ढंग से क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा रहा है। बैतूल कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी के निर्देशन में जिला राजस्व प्रकरणों के निराकरण में प्रदेश स्तर पर अग्रणी जिलों में शामिल है। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी द्वारा अभियान के विभिन्न पैरामीटर पर सतत निरीक्षण एवं मॉनिटरिंग की जा रही हैं। जिसके परिणाम स्वरूप अभिलेख दुरुस्ती के नवीन दर्ज प्रकरणों में शत प्रतिशत उपलब्धि हासिल कर जिला प्रदेश में दूसरे स्थान पर है। अभिलेख दुरुस्ती में नवीन दर्ज 126 प्रकरणों का शत प्रतिशत निराकरण किया गया। अभियान के तहत नामांतरण में जिला प्रदेश में पहले स्थान पर है, अभी तक 15 नवंबर की स्थिति में दर्ज

1023 प्रकरणों में से 600 प्रकरणों का निराकरण किया जा चूका हैं। शेष प्रकरणों के निराकरण भी निर्धारित समय सीमा में करने के निर्देश अधिकारियों को दिए गए हैं। इसी प्रकार परंपरागत रास्तों का चिन्हांकन और बटवारा के प्रकरणों में भी बैतूल प्रदेश के अग्रणी जिलों में शामिल हैं। जिले के समस्त अनुविभागों में यूथ सर्वेयर के माध्यम से फार्मर रजिस्ट्री बनाने की कार्यवाही भी तेजी से की जा रही हैं। जिले में 268399 फार्मर रजिस्ट्री बनाने का लक्ष्य निर्धारित है जिसके विरुद्ध शुरुआती दिनों में ही जिले द्वारा 40873 से अधिक फार्मर रजिस्ट्री बनाई जा चुकी। फार्मर रजिस्ट्री बनाने का अभियान जिले में मिशन मोड में जारी है।

आरसीएमएस पोर्टल पर दर्ज प्रकरण के अनुसार 18 नवंबर तक अविवादित नामांतरण के कुल दर्ज 23044 प्रकरणों में से 20321 प्रकरणों का निराकरण किया जा चुका हैं। जो कि कुल प्रकरणों का 88.18 प्रतिशत हैं। इसी प्रकार विवादित नामांतरण में 696 प्रकरणों के विरुद्ध 643 प्रकरणों का निराकरण किया गया हैं, जो कि कुल प्रकरणों का 92.39त्न है। अविवादित बटवारा के कुल दर्ज 3723 प्रकरणों में से 3108 प्रकरणों का निराकरण किया गया। जोकि कुल प्रकरणों का 83.48 प्रतिशत हैं। इसी प्रकार विवादित बटवारा के कुल 231 प्रकरणों में से 225 प्रकरणों का निराकरण किया गया है जोकि 97.5त्न है। इसी प्रकार सीमांकन के कुल दर्ज 5678 प्रकरणों में से 4922 प्रकरणों का निराकरण किया गया है। जोकि कुल प्रकरणों का 86.69 प्रतिशत हैं। अभिलेख दुरुस्ती के कुल दर्ज 2102 प्रकरणों का शत प्रतिशत निराकरण किया गया हैं। शेष लंबित राजस्व प्रकरणों का निराकरण भी तेजी से जारी हैं।

रचनाकर्म

भारत डोगरा

लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं।

क्या, क्यों और कैसे लिखें, लेखक?

यह लेखकीय जीवन-यात्रा आरंभ करने से पहले भी मैं एक छात्र के रूप में 4 वर्ष तक पैट्रियट, टाईम्स ऑफ इंडिया आदि समाचार पत्रों में लिखता रहता था व इस तरह मेरी लेखन यात्रा अब 52 वर्ष की हो गई है, पर उस समय मैंने मुख्य रूप से सिनेमा के गंभीर अध्ययन पर ही लिखा था। पूर्ण-कालिक लेखन अपनाने पर यह सवाल सामने आया कि जब जीवन-भर लेखन ही करना है तो सबसे सार्थक विषय क्या चुनना चाहिए। उस समय की मेरी समझ के अनुसार मुझे यही लगा कि गरीबी व इससे जुड़े विषय ही सबसे महत्त्वपूर्ण हैं। अतः इस पर ध्यान केन्द्रित करना ही सबसे उचित होगा। कुछ समय बाद मुझे अपने सरोकार अधिक व्यापक करना जरूरी लगने लगा। जब 'चिपको आंदोलन' पर उत्तराखंड से रिपोर्टिंग की, तो पर्यावरणीय विषयों का महत्व बेहतर ढंग से समझ में आया। इस आंदोलन के गांधीवादी कार्यकर्ताओं से संबंध बढ़ने पर उन्होंने मुझे शराब व नशे के विरोध का महत्व समझाया।

20 वर्ष की आयु में वर्ष 1976 में जब मैंने यह निर्णय लिया कि मुझे जीवन भर कहीं नौकरी न कर एक स्वतंत्र लेखक के रूप में ही जीवन-निर्वाह करना है, तब शायद मुझे स्वयं पूरा विश्वास नहीं था कि मैं इस निश्चय को जीवन-भर निभा सकूंगा। पर किसी तरह यह निश्चय अभी तक तो निभ ही गया है।

यह लेखकीय जीवन-यात्रा आरंभ करने से पहले भी मैं एक छात्र के रूप में 4 वर्ष तक पैट्रियट, टाईम्स ऑफ इंडिया आदि समाचार पत्रों में लिखता रहता था व इस तरह मेरी लेखन यात्रा अब 52 वर्ष की हो गई है, पर उस समय मैंने मुख्य रूप से सिनेमा के गंभीर अध्ययन पर ही लिखा था। पूर्ण-कालिक लेखन अपनाने पर यह सवाल सामने आया कि जब जीवन-भर लेखन ही करना है तो सबसे सार्थक विषय क्या चुनना चाहिए।

उस समय की मेरी समझ के अनुसार मुझे यही लगा कि गरीबी व इससे जुड़े विषय ही सबसे महत्त्वपूर्ण हैं। अतः इस पर ध्यान केन्द्रित करना ही सबसे उचित होगा। कुछ समय बाद मुझे अपने सरोकार अधिक व्यापक करना जरूरी लगने लगा। जब 'चिपको आंदोलन' पर उत्तराखंड से रिपोर्टिंग की, तो पर्यावरणीय विषयों का महत्त्व बेहतर ढंग से समझ में आया। इस आंदोलन के गांधीवादी कार्यकर्ताओं से संबंध बढ़ने पर उन्होंने मुझे शराब व नशे के विरोध का महत्व समझाया।

इस तरह अनेक मित्रों और साथियों से सीखते हुए अंत में मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा कि दुख-दर्द के जो भी कारण हैं, वे सभी लेखन का विषय बनने चाहिए। इसके साथ यह भी सीखा कि केवल मनुष्य के दुख-दर्द की चिंता नहीं होनी चाहिए। सभी जीव-जंतुओं के दुख-दर्द के बारे में सोचना चाहिए। दूसरी बात यह भी सीखी कि केवल इस पीढ़ी की नहीं आगामी पीढ़ियों के दुख-दर्द की भी चिंता करना जरूरी है।

इस दूसरी बात पर अधिक अध्ययन-चिंतन किया तो यह समझ में आया कि आगामी समय की दृष्टि से देखें तो धरती की जीवनदायिनी क्षमताएं ही खतरे में पड़ रही हैं - कुछ तो अति गंभीर पर्यावरणीय समस्याओं (जैसे जलवायु परिवर्तन) के कारण व कुछ महाविनाशक हथियारों (जैसे परमाणु हथियारों) के कारण। जैसे-जैसे इन समस्याओं की अति गंभीरता समझ आई, वैसे-वैसे इस पर मैंने अधिक ध्यान केंद्रित किया व अपनी नई पुस्तकों का विषय भी बनाया। 'धरती रक्षा अभियान' भी आरंभ किया।

हालांकि हिंदी व अंग्रेजी दोनों के समाचार पत्रों व पत्रिकाओं में मैंने बहुत लिखा, लगभग 11000 लेख प्रकाशित हुए, फिर भी यह जरूरत महसूस होती रही कि अधिक समग्र लेखन पुस्तक-पुस्तिकाओं के रूप में किया जाए। मेरी पत्नी मधु व हमारी बेटी रेशमा भारती ने वैसे तो सभी कार्यों में भरपूर सहयोग दिया, पर पुस्तक-पुस्तिकाओं के इस कार्य में उनका विशेष महत्त्वपूर्ण सहयोग रहा। इस तरह लगभग 400 छोटी-बड़ी पुस्तक-पुस्तिकाओं का प्रकाशन हमारी कुटीर स्तर के प्रकाशन 'सोशल चेंज पेपर्स' से हो सका।

आर्थिक कठिनाईयां प्रायः बनी ही रहीं व इन्हें कम करने के लिए मैंने कई प्रयास भी किए, जैसे-प्रेस-क्लिपिंग-सर्विस निकाली, अनेक संस्थानों के लिए दस्तावेजीकरण व अनुवाद के कार्य किए। ऐसे में कठिनाईयां आती रहीं तो कुछ राह भी निकलती रही। कुल मिलाकर अभी तक का 52 वर्ष के स्वतंत्र लेखन का सफर तय हो सका। अब इस कार्य के साथ-साथ 'धरती रक्षा अभियान' की नई जिम्मेदारी भी मेरे साथ है। वृद्धावस्था में कितना हो सकेगा, कहां तक पहुंच सकेंगे कमजोर होते हाथ, पता नहीं, पर इतना जरूर पता है कि अंतिम समय तक हमारे प्रयास में कमी नहीं आएगी।

साथ में दिल की गहराई से आभार प्रकट करना जरूरी है उन सभी मित्रों व साथियों, आंदोलनकारियों के प्रति, संपादकों के प्रति जिनके सहयोग से यह जीवन-यात्रा तय हो सकी, व इस दौरान उन सबसे बहुत कुछ सीखने को मिला जो बहुमूल्य रहा। सार्थक बदलाव पर स्वतंत्र लेखन का अर्थ यह है कि देश-दुनिया की महत्त्वपूर्ण समस्याओं का अध्ययन करना, उनके समाधान के बारे में अध्ययन-चिंतन करना व इसे ही अपने लेखन का मुख्य उद्देश्य व आधार बनाना।

यह कार्य वैसे तो बहुत सार्थक है, पर इसे निरंतरता से करने में अनेक कठिनाईयां भी हैं। एक कठिनाई तो फिलहाल यह रहेगी ही कि इस कार्य को निरंतरता से करते हुए जीवन-यापन करना सरल नहीं है। इस कठिनाई को किसी तरह सुलझा लिया जाए तो भी इससे कहीं पेचीदा समस्याएं लेखक के सामने आ सकती हैं।

जब ऐसा लेखक, जो सार्थक बदलाव पर लिखने के लिए प्रतिबद्ध है, पूरी ईमानदारी से समस्याओं का विश्लेषण कर समाधान की ओर बढ़ता है, तो कई बार उसका अनुभव यह रहता है कि पूरी ईमानदारी से इन समाधानों व सार्थक बदलावों के बारे में लिखने पर लेखन के प्रकाशन की संभावनाएं कम हो जाती हैं। दूसरी ओर यदि प्रचलित सोच के साथ समझौता कर लिखा जाए तो प्रकाशित होने की संभावना बढ़ जाती हैं।

इस स्थिति में लेखक-लेखिका के लिए बहुत दुविधा होती है कि वे क्या करें? कुछ विचार ऐसे होते हैं जो किसी समय समाज को बहुत महत्त्वपूर्ण नई दिशा दे सकते हैं, पर फौरी तौर पर उनका मजाक भी उड़ सकता है या उन्हें अव्यवहारिक मानकर उपेक्षित किया जा सकता है। जिन विचारों को बहुत शक्तिशाली तत्त्व स्वीकार नहीं कर सकते हैं उन्हें सामने लाने वाले लेखक को प्रकाशन का स्थान मिलना ही कठिन हो जाता है।

किसी लेखक की इन समस्याओं को कैसे सुलझाया जाए, यह तो निश्चित नहीं है, पर इतना स्पष्ट है कि समाज को, देश व दुनिया को सार्थक बदलाव के लिए नए विचारों की, नई सोच की अधिक जगह बनानी चाहिए, क्योंकि इसकी बहुत जरूरत है। आज जब गंभीर गलतियों के कारण धरती की जीवनदायिनी क्षमता ही गंभीर रूप से संकटग्रस्त हो गई है, तो यह बहुत जरूरी हो गया है कि नई सोच को, नए विचारों को अधिक जगह मिले। (सप्रेस)

श्रमदान के साथ आयुष्मान कार्ड बनाने का प्रशिक्षण, समरस्ता भोज

सुबह सवेरे सोहागपुर। निर्मल विकास सेवा समिति करनपुर, नवांकुर संस्था, मप्र जनअभियान परिषद सोहागपुर के तत्वावधान में चयनित ग्राम गजनई में आदर्श ग्राम की कल्पना पर जिला समन्वयक पवन सहगल के आतिथ्य में बैठक संपन्न हुईइस अवसर पर जिला समन्वयक श्री सहगल ने आयुष्मान भारत कार्ड बनाने का प्रशिक्षण देकर उपस्थित जनों को बारिकियां समझाकर प्रशिक्षण दिया। वहीं संस्कार केंद्र पर प्रकाश डाला। इसी क्रम में आपने नशामुक्ति शपथ दिलाई । संस्कार केंद्र कैसे हो। कार्यक्रम नवांकुर संस्था के प्रमुख चेनसिंह व गजेंद्र ठाकुर के द्वारा आयोजित किया था। कार्यक्रम का आभार विकास खंड समन्वयक किशोर कड़ोले ने किया। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता आश्रम के संत महाराज ने। धर्म रक्षा का उद्बोधन देकर गौसेवा पर चिंता व्यक्त की। आपने अंत में गौ संरक्षण की दिशा में सारगर्भित बातें बताई। इस अवसर पर श्याम सिंह मीना, सचिन विश्वकर्मा, मंजु पंवार मेंटर, संदेश मिश्रा, कमल किरार, साहिल, अरविंद्र चौरसिया नवांकुर से तथा बीएसडब्ल्यू, एमएसडब्ल्यू छात्र एवं पंचायतों के समिति प्रतिनिधि उपस्थित थे।

दिवंगत विख्यात बुंदेली कवि सहारिया जी की श्रद्धांजलि सभा आज

सुबह सवेरे सोहागपुर। विगत दिनों विख्यात बुन्देली कवि राजेन्द्र सहारिया के आकस्मिक निधन के उपरांत उनके परिजनों ने वाटिका गार्डन में 23 नवम्बर शाम 4 बजे श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया है।

उल्लेखनीय है कि उनकी बुंदेली कविताएं क्षेत्र के प्रबुद्ध जन विशेष ध्यान लगाकर सुनते थे। उनकी एक विख्यात बुन्देली कविता है। 'आनंद लें' 'सौ बक्का नें एक लिक्खा,सौ दूर्री नें एक इक्का, सौ मते नें एक ठूँसा,सौ थप्पड़ नें एक घूँसा,सौ बाम्हन नें एक भनेज, सौ दवाई नें एक परहेज, सौ गारी नें एक डंडा, सौ डाकू नें एक पंडा,सौ पापी नें एक नेता,सौ लेता नें एक देता,सौ मरनों नें एक अपमान, सौ जीवन नें एक सम्मान, सौ ज्ञानी नें एक कवि,सौ तारे नें एक रवि,सौ बल्लम नें एक भाला, सौ बदमाश नें एक साला,सौ गुलाब नें एक माला,सौ साँकर नें एक ताला।

प्रभावशाली राजनैतिकों की दस्तक ने नीलिम्प मणि को बना दिया और मजबूत शक्ति केंद्र

नर्मदापुरम- संजीव डे राय

नगर स्तम्भ रुप में धर्माचार्य सोमेश परसाई स्थापित हो चले मुख्यालय के लिए यह गर्व की बात है, धर्माचार्य के दरबार नीलिम्प मणि पर दस्तक देने वाले हस्ताक्षर विलक्षण प्रतिभा के है, उनमें प्रभावशाली राजनैतिक से लेकर सड़क के आम आदमी शामिल हैं। उनकी शिव भक्ति का प्रसाद, उनके आचार्य तत्व होने वाले अनुष्ठानों का प्रभाव कुछ और ही होता है। स्वरूपानंद सरस्वती के शिष्य के रूप में धर्मध्वजा के जरिए धर्म का प्रचार प्रसार कर रहे धर्माचार्य के पास ऐसे में आने वाले प्रभावशाली राजनैतिकों की भीड़ से उनका कद और बढ़ता है तो, नगर के प्रति उनका दायित्व भी बढ़ जाता यह देख सुनकर नगरवासियों की उनसे प्रगाढ़ अपेक्षाएं बलबती हो जाती। राज्य सभा सांसद, सांसद के बाद अब धर्माचार्य के निवास पर शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह सहित प्रभारी मंत्री राकेश कुमार सिंह की दस्तक इस का प्रमाण है। धर्माचार्य सबसे अलग है, क्यों नहीं शिक्षा के क्षेत्र में राव उदय

प्रताप सिंह के प्रभाव का इस्तेमाल धर्माचार्य जी नर्मदापुरम को शिक्षा का हब बनाने के लिए विकसित करवाते.. इसके अलावा स्कूली पाठ्यक्रम में स्वच्छता अभियान शामिल करवा कर स्वच्छता को मिशन बढ़ावा दिला सकतें हैं इसके अलावा स्कूलों में एक पीरेड रामायण और भगवत गीता नियमित पाठ उसका अर्थ अध्यापन में जोड़कर प्रदेश में शिक्षा के साथ इन्हें जोड़कर सनातन मार्ग मजबूत बना सकते। धर्माचार्य का संस्कृत में योगदान किसी से छिपा नहीं है संस्कृत भाषा को लेकर उनके प्रयास का फल नगरवासियों को मिल रहा है। पूजा आराधना में अब पंडितों की कमी महसूस नहीं होती, देवी पूजा हो या गणेश पूजा हर पड़ाल में आचार्य श्री की मेहनत दिखाई देती है। वैसे ही नगर के विकास में प्रभारी मंत्री का उपयोग नगर को विकास की दिशा में बढ़ावा दे सकता है। नगर में सरकारी स्कूलों की किल्लत उनके रख-रखाव की जरूरत है जबकि सरकारी स्कूल तोड़कर उसकी जगह मनोरंजन के साधन को महत्व दिया जा रहा। इसे रुकवाया जा सकता है। धर्माचार्य के दरबार में उपस्थित होकर उनसे आशीर्वाद लेने श्री राव से के पश्चात मध्यप्रदेश शासन के प्रभावशाली लोक निर्माण मंत्री और जिले के प्रभारी मंत्री राकेश सिंह उनके निज निवास 'नीलिम्प मणि' भवन में आशीर्वाद लेने हेतु पहुंचे हैं। फिर नगर विकास में धर्माचार्य जी का उनके जरिए योगदान कोई खराब विकल्प तो नहीं हो सकता।

भाजपा विधायक ने खुद को रेस्ट हाउस में किया बंद

रात से नहीं खोला कमरे का दरवाजा ; पत्नी को बुलाया, मनगंवा विधायक मिलने पहुंचे

मऊगंज (नप्र)। मऊगंज से भाजपा विधायक प्रदीप पटेल ने खुद को रेस्टहाउस के कमरे में बंद कर लिया है। गुरुवार रात 11 बजे से उन्होंने दरवाजा नहीं खोला है। उनका मोबाइल बंद है। पुलिस ने विधायक की पत्नी को मौके पर बुलाया गया है। इधर, शुक्रवार शाम करीब 4.30 बजे मनगंवा से विधायक नरेंद्र प्रजापति उनसे मिलने गए हुए हैं। फिलहाल मौके पर पुलिस बल और प्रशासनिक अफसर मौजूद थे।

दरअसल, विधायक प्रदीप पटेल को सोमवार को हिरासत में लेकर रीवा के सामुदायिक भवन में अस्थाई जेल में रखा था। वहां से गुरुवार को रिहा होने के बाद वे दोबारा महादेवन मंदिर के पास अतिक्रमण तोड़ने समर्थकों के साथ पहुंच गए थे। पुलिस ने उन्हें फिर हिरासत में लेकर नईगढ़ी रेस्ट हाउस में एक अलग कमरे में रखा था।

रात 11 बजे से कमरे के अंदर हैं बंद- विधायक प्रदीप पटेल को गुरुवार रात 9.30 बजे गिरफ्तार कर नई गढ़ी रेस्ट हाउस ले जाया गया था। यहां करीब 10.15 बजे से रात 11 बजे तक एएसपी समेत अन्य पुलिस अधिकारी मौजूद रहे। उसके बाद पटेल ने कमरे का दरवाजा बंद कर लिया था।

विधायक पटेल के खुद को कमरे में कैद करने की जानकारी मिलने के बाद मौके पर कलेक्टर मऊगंज अजय श्रीवास्तव, एसपी रसना ठाकुर भी पहुंची।

उन्होंने दरवाजा खुलवाने का प्रयास किया। विधायक के करीबी रहे संतोष तिवारी को बुलाया गया। शाम करीब 4.30 बजे मनगवां विधायक नरेंद्र प्रजापति नईगढ़ी रेस्ट हाउस में विधायक प्रदीप पटेल से मिलने के लिए गए हुए है।

पत्नी को बुलाकर कराई जाएगी बात- प्रशासनिक अफसरों ने बताया कि हमने विधायक पटेल से संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन वह दरवाजा नहीं खोल रहे हैं। हमने उनकी पत्नी को बुलाया है। जैसे ही वह आएंगी तो उनकी बात कराई जाएगी। नहीं तो दरवाजा तोड़ दिया जाएगा।

मंदिर की जमीन को लेकर चल रहा विवाद- दरअसल, देवरा गांव के महादेवन मंदिर की जमीन को लेकर विवाद चल रहा है। पूरा विवाद 9 एकड़ 27 डिसमिल जमीन को लेकर है। यहां मुस्लिम समुदाय और दलित परिवारों के करीब 70 से 75 घर हैं। मुस्लिम समुदाय के लोगों का का दावा है कि यहां उनके पुश्तैनी मकान हैं। उनकी ओर से जबलपुर हाईकोर्ट में पिटीशन भी दायर की गई है। विधायक प्रदीप पटेल सोमवार को जेसीबी लेकर महादेवन मंदिर के पास मौजूद दो एकड़ की विवादित जमीन पर पहुंच गए थे। दोनों तरफ से पथराव हुआ था। जिसके बाद विधायक और उनके सहयोगियों को हिरासत में ले लिया गया था। विधायक को हिरासत में लेने के बाद कड़ी सुरक्षा के बीच रीवा के पुलिस लाइन स्थित सामुदायिक भवन में रखा गया था।

पं. धीरेंद्र ने यात्रा का विरोध करने वालों से कहा

इस देश में जलसा जायज है और पद यात्रा नाजायज बता रहे हो

महिलाओं ने सड़क पर फूलों से बनाई रंगोली, स्वागत में रास्ते में लेट गया श्रद्धालु

छतरपुर (नप्र)। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने 'सनातन हिंदू एकता' पदयात्रा दूसरे दिन शुक्रवार को सुबह साढ़े 8 बजे कदारी फार्मेसी कॉलेज से शुरू की। उन्होंने यात्रा का विरोध करने वालों को जवाब भी दिया। कहा- ठठरी के बंधे इस देश में जलसा जायज है और पद यात्रा नाजायज बता रहे हो।

पदयात्रा दोपहर करीब ढाई बजे कदारी से गठेवरा पहुंची, जहां भोजन प्रसादी की। इसके बाद यात्रा छतरपुर शहर में प्रवेश करेगी। यहां छत्रसाल चौराहे पर पं. शास्त्री एक सभा को संबोधित करेंगे। इस सभा में हैदराबाद की गोशामहल विधानसभा सीट से बीजेपी विधायक टी राजा भी शामिल होंगे।

छतरपुर में होगा भोजन और रात्रि विश्राम- शाम को पदयात्रा बस स्टैंड होते हुए छतरपुर के नौगांव रोड के पेप्टेक टाउन पहुंचेगी, जहां रात्रि भोजन के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम और प्रवचन होंगे। पेप्टेक टाउन में दिल्ली की गायिका शीतल पाण्डेय, बिन्नू रानी और हिमालय यादव प्रस्तुति देंगे। पं. शास्त्री आज 17 किलोमीटर का सफर तय करेंगे। यात्रा 9 दिन में बागेश्वर धाम से रामराजा मंदिर ओरछा तक करीब 160 किमी का सफर तय करेगी। कुल 8 पड़ाव होंगे।

पैदल चलते हुए धीरेंद्र शास्त्री के पैर छिले- 'सनातन हिंदू एकता' में पैदल चलते हुए बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के पैर छिल गए।

'हिंदुओं में एकता जरूरी है, हम बाबा बागेश्वर के साथ खड़े हैं': कांग्रेस नेता व पूर्व मंत्री जयवर्धन सिंह - पं. धीरेंद्र शास्त्री की पदयात्रा कादरी से आज छतरपुर पहुंचेगी। पदयात्रा में जिले के ही नहीं दूसरे राज्यों से भी लोग शामिल हो रहे हैं। इनमें कई नामी हस्तियां भी हैं। पदयात्रा नौ दिन में ओरछा में पूरी होगी। कांग्रेस नेता व पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह बेटे जयवर्धन सिंह धीरेंद्र शास्त्री की पदयात्रा में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने कहा कि हिंदुओं में एकता जरूरी है और यह सनात धर्म की यात्रा है। पं. धीरेंद्र शास्त्री सनातन धर्म के लिए यात्रा कर रहे हैं और हम बाबा बागेश्वर के साथ हैं। पूर्व मंत्री जयवर्धन सिंह बाबा बागेश्वर धीरेंद्र शास्त्री की पदयात्रा में शामिल होने के लिए आए थे। उन्होंने बाबा से मुलाकात की और यात्रा में सहभागिता की।

स्कूल में रील के लिए दो छात्राओं ने किया निकाह, वीडियो होने पर मचा बवाल

स्कूल में छात्राओं की शादी का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल, कक्षा में छात्राएं निकाहनामा में हस्ताक्षर करते हुए नजर आ रही हैं

शहडोल (नप्र)। जिले के धनपुरी स्थित पीएमश्री कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में स्कूल ड्रेस में कुछ छात्राओं ने आपस में ब्याह रचा लिया। इस दौरान उनकी सहेलियां भी मौजूद रहीं। कक्षा के बंद कमरे में रचाए गये इस ब्याह का वीडियो अब सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है, जिसमें छात्राएं निकाहनामा में हस्ताक्षर करते हुए नजर आ रही हैं।

जिला शिक्षा अधिकारी के पास लिखित शिकायत- छात्राओं का स्कूल के समय में कक्षा के अंदर स्कूल ड्रेस में की गई इस हरकत की शिकायत जिला शिक्षा अधिकारी के पास लिखित रूप में की गई है, जिसकी जांच हो रही है।

दोषी जनों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग- कोयलांचल के छात्र नेता व भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन के पूर्व नगर अध्यक्ष धनपुरी वसीम खान सोमू ने इसकी लिखित शिकायत जिला शिक्षा धिकारी से की है। कहा कि विधिवत जांच कराकर दोषी जनों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए, ताकि शिक्षा के मंदिर की मर्यादा बनी रहे।

विद्यालय में शिक्षा का स्तर दिनोंदिन नीचे गिरता जा रहा है- शिकायतकर्ता ने बताया कि शैक्षणिक सत्र वर्ष 2021-22, 2022-23 एवं 2023-24 के शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय धनपुरी का कक्षा 10वीं, 11वीं तथा 12वीं के परीक्षा परिणाम से अनुमान लगाया जा सकता है कि विद्यालय में शिक्षा का स्तर दिनोंदिन नीचे गिरता जा रहा है। विद्यालय प्रबंधन को इससे कोई सरोकार नहीं रह गया है, जिसके परिणाम स्वरूप छात्राएं विद्यालय के अन्दर स्कूल ड्रेस में ऐसे फ़िल्मी गानों पर रील्स बनाकर उसे इंटरनेट मीडिया में अपलोड कर रही हैं ,जो कि एक सभी समाज के लिए चिंता का विषय है।

भोपाल में पराली जलाने पर रोक

कलेक्टर ने 2 महीने के लिए प्रतिबंध लगाया; उल्लंघन पर होगी एफआईआर

भोपाल (नप्र)। भोपाल में पराली जलाने पर रोक लगा दी गई है। देर रात कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने आदेश जारी किया। 2 महीने के लिए पराली यानी, नरवाई जलाने पर प्रतिबंध लगाया गया है। उल्लंघन करने पर थाने में एफआईआर दर्ज कराई जाएगी।

नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के आदेश का पालन करते हुए यह रोक लगाई गई है, जो पूरे भोपाल जिले में लागू रहेगी। कलेक्टर सिंह ने सभी एसडीएम को पराली जलाने पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। वहीं, कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी। इधर, जानकारों का मानना है कि वर्तमान में किसान गेहूं की बुआई में लगे हैं। अधिकांश ने बोवनी भी कर ली है। ऐसे में आदेश का इस समय लागू होने से कोई मतलब भी नहीं रहा है। हाल ही में पराली के कुछ मामले जरूर सामने आ चुके हैं।

आदेश में यह कहा कि खेत की आग के अनियंत्रित होने पर जनसंपत्ति एवं प्राकृतिक वनस्पति, जीव-जन्तु नष्ट हो जाते हैं। जिससे नुकसान होता है। खेत की मिट्टी की उर्वरा शक्ति खत्म हो जाती है। जिससे उत्पादन प्रभावित होता है।

खेत में पड़ा कचरा, भूसा, डंठल सड़ने के बाद भूमि को प्राकृतिक रूप से उपजाऊ बनाते हैं। इन्हें जलाकर नष्ट करना ऊर्जा को नष्ट करना है। आग लगाने से हानिकारक गैसों का उत्सर्जन होता है। जिससे पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

जिले में कई किसान रोटावेटर एवं अन्य साधनों से डंठल खेत से हटा रहे हैं। यह सुविधा जिले में उपलब्ध हो गई है।

ब्रिज के पास मिला युवक का शव

ठंड के कारण मौत का अंदेशा

भोपाल (नप्र)। भोपाल में नवंबर महीने की ठंड का पिछले 10 साल का रिकॉर्ड टूट गया है। गुरुवार देर रात पुलिस ने एक युवक का शव बजरिया ब्रिज से बरामद किया है, जिसकी मौत ठंड के कारण होने का अंदेशा जताया जा रहा है। हालांकि इसका खुलासा पीएम रिपोर्ट के बाद हो सकेगा।

बजरिया थाने के एसआई कुंज बिहारी सिंह ने बताया कि मृतक धुपेंद्र सिंह 41 वर्ष इंदौर जिले के एक गांव का रहने वाला था, शराब पीने का आदि था। बुधवार की शाम घर से बिन बताये निकला था। गुरुवार की देर रात उसकी बॉडी को बजरिया ब्रिज से बरामद किया गया था। उसके शरीर पर एक पतली सी शर्ट थी और पेंट थी, अंदर कोई इनर भी नहीं था।

70 हजार किलो लोकल अमरूद की खपत

रोज 60 हजार किलो हाइब्रिड सीताफल खा रहे भोपाल के लोग

भोपाल (नप्र)। शहर में इन दिनों फल बाजारों में हाइब्रिड सीताफल नजर आ रहे हैं। इनकी आवक पिछले साल के मुकाबले दोगुनी हो गई है। बाजार में फुटकर में यह रूपए 90 प्रति किलो से 110 रुपए प्रति किलो तक बिक रहे हैं। फलों के थोक व्यापारी पवन खटीक बताते हैं कि फल मंडी में रतलाम के राजौद समेत आसपास के इलाकों और महाराष्ट्र के कई इलाकों से हाइब्रिड सीताफल की आवक हो रही है।

4 से 5 गाड़ी रोजाना मंडी में पहुंच रही हैं। करीब 300 क्रेट मंडी में उतर रही हैं। एक क्रेट में करीब 20 किलो सीताफल होते हैं, इस तरह रोज 60 हजार किलो सीताफल पहुंच रहे हैं। पिछले साल इस सीजन में इसकी आवक 30 हजार किलो रोज थी।

साथ ही अब लोकल अमरूद की आवक भी शुरू हो गई है। ईंटखेड़ी फल अनुसंधान केंद्र के बगीचे और आसपास के इलाकों से रोजाना करीब 70 हजार किलो अमरूद मंडी में पहुंच रहे हैं।

क्या है हाइब्रिड सीताफल- हॉर्टिकल्चर एक्सपर्ट डॉ. आरके जायसवाल बताते हैं कि अलग-अलग किस्मों का परागण करवाकर उससे जो नई पौध तैयार होती है उसे संकर या हाइब्रिड कहते हैं। ऐसे सीताफल के पौधे खेतों में सघन यानी पास, पास लगाए जाते हैं। इसके एक साल के पौधे में फूल आ जाते हैं और दो साल में ये पौधा फल देने लगता है।

कलियासोत डैम में कूदकर महिला ने दी जान

फोन पर भाई से बोली- पति और सास से बहुत परेशान हूं, इसलिए मर रही हूं

भोपाल (नप्र)। भोपाल में शुक्रवार दोपहर करीब 12 बजे तेरह शटर के पास कलियासोत डैम में एक महिला ने कूदकर जान दे दी। सुसाइड से पहले का एक ऑडियो भी सामने आया है। जिसमें महिला बोल रही है कि, पति और सास से बहुत परेशान हूं। इसलिए मैं मर रही हूं। रातीबड़ पुलिस ने शव को बरामद कर पीएम के लिए भेज दिया है।

मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। हादसे के समय महिला के साथ दो सहेलियां भी थीं। कॉल पर बात करते हुए उसने अचानक डैम में छलांग लगा दी थी।

महिला जेके हॉस्पिटल में कम्प्यूटर ऑपरेटर की काम करती थी। पति नगर निगम में अधिकारी का गाड़ी चलाता है। महिला के भाई रोशन ने बताया कि, आज सुबह जॉब पर जाने का कहकर घर से निकली थी। फोन पर पति-पत्नी में विवाद हुआ था। पति ने कुछ अपशब्द कहे थे। जिसके बाद बहन ने मुझे फोन किया और बोली- पति और सास बहुत परेशान कर रहे हैं।

श्रीमद् भगवद गीता को आचरण और व्यवहार में धारण कर सद्मार्ग पर चलते हुए प्राप्त की जा सकती है सफलता : मुख्यमंत्री

सीएम ने भगवद गीता आधारित मूल्य शिक्षा प्रतियोगिता में अधिक से अधिक विद्यार्थियों से भाग लेने की अपील की

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भगवान श्रीकृष्ण का मध्यप्रदेश की धरती उज्जैन पधार कर आचार्य सांदीपनि जी से शिक्षा प्राप्त करना सनातन संस्कृति की अद्वितीय घटना है। महाभारत जैसे भीषण युद्ध के बीच शास्त्र सम्मत मार्ग दिखाते हुए कर्मवाद की शिक्षा देने का उनका प्रयास और विश्व को श्रीमद् भगवद गीता की देन अद्वितीय है। शास्त्र के रूप में स्थापित भगवद गीता विद्वतजन, ऋषि मुनि से लेकर जन-सामान्य तक के मन में जिज्ञासा भी उत्पन्न करती है और समाधान भी प्रदान करती है। गीता को आचरण और व्यवहार में धारण कर मानव, अपने जीवन को कर्मवाद से जोड़कर सद्मार्ग का अनुसरण करते हुए सफलताएं प्राप्त कर सकता है। इस वर्ष गीता जयंती पर इस्कॉन के साथ मिलकर स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा भगवद गीता पर केंद्रित प्रतियोगिता कराने का निर्णय लिया गया है। गीता के श्लोकों का वाचन, अध्ययन-मनन और भगवद गीता में लोगों की रुचि बढ़ाने के उद्देश्य से यह अकादमिक अभियान चलाया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विद्यार्थियों से अधिक से अधिक संख्या में इस प्रतियोगिता में भाग लेने की अपील की।

स्कूल शिक्षा विभाग और विक्रमादित्य शोध पीठ द्वारा इस्कॉन के सहयोग से होगी प्रतियोगिता

उल्लेखनीय है कि भगवद गीता आधारित मूल्य शिक्षा प्रतियोगिता, स्कूल शिक्षा विभाग और संस्कृति विभाग के विक्रमादित्य शोधपीठ द्वारा इस्कॉन के सहयोग से आयोजित की जा रही है। इसका उद्देश्य छात्रों में स्थायी नैतिक मूल्यों का संचार करना, चरित्र निर्माण को प्रेरित करना और आज के युवाओं में व्याप्त विभिन्न व्यसनों के खतरों के बारे में जागरूकता फैलाना है।

जिला स्तर पर 26 से 29 नवंबर तक होंगी प्रतियोगिताएं

जिला स्तरीय प्रतियोगिता के अंतर्गत कक्षा-9 से 12 तक के छात्रों के लिए ऑनलाइन क्विज-प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। प्रत्येक कक्षा की प्रतियोगिता के लिये पृथक-पृथक दिवस निर्धारित किये गये हैं, जिसमें 26 नवंबर को कक्षा -9वीं, 27 नवंबर को कक्षा-10वीं, 28 नवंबर को कक्षा-11वीं और 29 नवंबर को कक्षा-12वीं के छात्रों के लिये क्विज प्रतियोगिता होगी। सभी परीक्षाएं स्कूल में दोपहर 12 बजे से 1 बजे तक आयोजित की जाएंगी। भागीदारी के लिये लिंक 19 नवंबर तक उपलब्ध करवाई जायेगी। प्रत्येक जिले में कक्षा के शीर्ष प्रदर्शन करने वाले छात्र राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में 10 दिसंबर 2024 को उज्जैन में गीता महोत्सव के दौरान शामिल होंगे। राज्य स्तरीय विजेताओं को मुख्यमंत्री द्वारा पुरस्कृत किया जाएगा। यह मूल्य शिक्षा प्रतियोगिता छात्रों के शैक्षिक पाठ्यक्रम को आवश्यक नैतिक मूल्यों जैसे सत्यनिष्ठा, सहानुभूति, सम्मान और उत्तरदायित्व से समृद्ध बनाने के लिए डिजाइन की गई है। साथ ही उन्हें व्यसनों के हानिकारक प्रभावों के प्रति जागरूक करना और जिम्मेदार एवं नैतिक रूप से भविष्य के जागरूक नागरिकों के रूप में उनके व्यक्तित्व के विकास का प्रयास भी इस पहल का लक्ष्य है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज करेंगे गौ-शाला का भूमि-पूजन

बरखेड़ी डोब में बनेगी हाइटैक गौ-शाला

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव बरखेड़ी डोब, भोपाल में 10 हजार गायों की क्षमता वाली हाइटैक गौ-शाला का भूमि-पूजन 23 नवंबर को प्रातः 10 बजे करेंगे। इस अवसर पर पशुपालन एवं डेयरी राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री लखन पटेल भी उपस्थित रहेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में प्रदेश में वर्तमान वर्ष (चैत्र माह से फाल्गुन माह तक) गौ-संरक्षण एवं गौ-संवर्धन वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। इसी को दृष्टिगत रखते हुए भोपाल के बरखेड़ी डोब में 10 हजार गायों की क्षमता वाली अत्याधुनिक गौ-शाला के निर्माण की योजना है। गौ-शाला लगभग 25 एकड़ क्षेत्र में बनाई जा रही है। इसमें गायों के आधुनिक तरीके से रख-रखाव के साथ ही उनके उपचार के लिए सभी संसाधनों से युक्त चिकित्सा वार्ड का भी निर्माण किया जाएगा। गौ-शाला में सीसी टीवी के माध्यम से निरंतर मॉनीटरिंग की व्यवस्था रहेगी।

लगभग 15 करोड रुपए की लागत की गौ-शाला का निर्माण कार्य ग्रामीण यांत्रिकी विभाग द्वारा कराया जाएगा, वहीं नगर निगम एवं पशुपालन विभाग नोडल एजेंसी होंगे। गौ-शाला को स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट और जिला पंचायत द्वारा वित्तपोषण किया जाएगा। गौ-शाला का संचालन नगर निगम द्वारा किया जाएगा। गौ-शाला का निर्माण तीन चरणों में होगा, जिसमें प्रथम चरण में लगभग 2000 पशु क्षमता का निर्माण किया जाएगा।

इस अत्याधुनिक गौ-शाला में गायों को भूसा, हरा घास, पशु आहार आदि कन्वेयर बेल्ट के माध्यम से पहुंचाया जाएगा। गौ-शाला में गायों के गोबर एवं मूत्र आदि से विभिन्न सामग्री तैयार की जाएगी और जैविक खाद निर्माण के लिए संयंत्र भी लगाया जाएगा। गौ-शाला में रहने वाले पशुओं एवं सड़कों पर घायल एवं बीमार होने वाले पशुओं के उपचार के लिए चिकित्सा वार्ड भी बनाया जा रहा है।

सिवनी में तेज रफ्तार एंबुलेंस की 2 बाइक से टक्कर, तीन की मौत, दो घायल

सिवनी (नप्र)। छिंदवाड़ा-सिवनी राष्ट्रीय राजमार्ग पर शुक्रवार को भीषण सड़क दुर्घटना में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकी दो लोग घायल हैं। हादसा सिवनी शहर से महज दो किलोमीटर दूर बम्होड़ी गांव के पुलिया के पास करीब दोपहर लगभग एक बजे हुआ। यहां तेज रफ्तार एंबुलेंस अनियंत्रित होकर सामने से आ रही दो बाइक से टकरा गई। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे में एक एंबुलेंस सवार की भी मौत हो गई है।

मौके पर ही दो लोगों ने तोड़ा दम, तीसरे की अस्पताल में मौत- दोनों बाइक वाहन लखनवाड़ा से सिवनी की ओर आ रहे थे, जबकि केवलारी का एंबुलेंस वाहन सिवनी से छिंदवाड़ा जा रहा था। अनियंत्रित एंबुलेंस ने दो बाइक में टक्कर मारी। इस भयानक हादसे में घटनास्थल पर ही दो व्यक्तियों की मौत हो गई। तीन घायलों को तत्काल जिला अस्पताल लाया गया, यहां घायल एक अन्य व्यक्ति ने दमतोड़ दिया, जबकि दो अन्य घायलों का उपचार जिला अस्तपाल में चल रहा है।

कोतवाली थाना प्रभारी सतीश तिवारी ने मीडिया को बताया कि स्वजनों से मृतकों की शिनाख्त कराई जा रही है। दो बाइक में कितने लोग सवार थे, इसकी विस्तृत जानकारी एकत्रित की जा रही है। वहीं एंबुलेंस सवार एक व्यक्ति की मौत होने की बात सामने आई है। इनमें दो मृतकों की पहचान गजेंन्द्र पुत्र शिवदयाल निवासी जमुनिया थाना लखनवाड़ा तथा निहाल पुत्र दीनदयाल यादव निवासी सरेखा केवलारी के रूप में हुई है। तीसरे मृतक व घायलों के बारे जानकारी ली जा रही है।

हेलिकॉप्टर से बारात लेकर पहुंचा उज्जैन का दूल्हा

बेटे ने पूछा था- पापा शादी में क्या अलग करोगे; पिता ने खर्च कर दिए 11 लाख

उज्जैन (नप्र)। उज्जैन में इलेक्ट्रिक बाइंडिंग का कार्य करने वाले का बेटा हेलिकॉप्टर में बैठकर दुल्हन लेने महिदपुर पहुंचा। हेलिकॉप्टर देखने के लिए ग्रामीणों का मजमा लग गया। गांववाले इस अनोखी शादी में शामिल हुए तो सबकी निगाहें हेलिकॉप्टर पर रही। बारात ले जाने के लिए दूल्हे के पिता ने 11 लाख रुपए खर्च कर दिए। करीब एक माह तक अलग-अलग विभागों से परमिशन भी ली।

2 बस और 50 कार से पहुंचेंगे बाराती- उज्जैन से शाम 4 बजे हेलिकॉप्टर से दूल्हा, उसके माता-पिता, बहन-जीजाजी महिदपुर के लिए रवाना हुए। बाकी बारातियों के लिए दो बस और 50 कारों की व्यवस्था की गई।

उज्जैन के जगदीश माली श्रीराम मोटर बाईंडिंग, होटल अपना और तड़का बार के संचालक हैं। वे सांवरा खेड़ी में रहते हैं। उनके छोटे बेटे ऋतिक माली का विवाह महिदपुर के पास भीमखेड़ा में रहने वाले तेजुलाल की बेटी आशा गुंदिया से हुआ।

जगदीश माली ने बताया-छोटे बेटे की शादी में बेटे की इच्छा थी कि कुछ अलग करना है। इसलिए हमने हेलिकॉप्टर से बारात ले जाने का सोचा। सबसे पहले दताना हवाई पट्टी पर संपर्क किया उन्होंने दिल्ली का एक नंबर दिया। वहां से अहमदाबाद की एक इवेंट कंपनी एरोट्रेन्स का नंबर मिलने के बाद उनसे बात की। अब अहमदाबाद से आया हेलिकॉप्टर शाम चार बजे दूल्हे को लेकर उड़ा और फिर करीब 15 मिनट में महिदपुर में लड़की वालों के यहां पहुंचा है।

बेटे ने पूछा- मेरी शादी में क्या अलग करोगे पापा- जगदीश माली ने बताया कि बड़े बेटे की शादी में भी सोचा था, लेकिन उस समय व्यवस्था नहीं हो पाई थी। अब छोटे बेटे की शादी का समय आया तो बेटे ने पूछा कि क्या अलग करोगे पापा? इसके बाद हमने घर सभी को बैठकर निर्णय लिया कि ऋतिक की बारात हेलिकॉप्टर से ले जाएंगे। हमने पुलिस विभाग जिला प्रशासन, फायर, पीडब्ल्यूडी सहित अन्य परमिशन ली। उज्जैन में सांवरा खेड़ी और महिदपुर में दो हेलिपेड बनवाए। इन सबमें करीब 3 लाख रुपए से अधिक का खर्च हो गया। साथ ही हेलिकॉप्टर की सेवा देने वाली कंपनी को 8 लाख 79 हजार रुपए पेमेंट किया है।

शनिवार को दुल्हन को लेकर उज्जैन लौटेगी बारात- महिदपुर में हेलिकॉप्टर से बारात पहुंची तो लड़की के घर पास बने हेलिपेड पर भीड़ लग गई। यहां से दूल्हे के लिए कार की व्यवस्था की गई थी। महिदपुर के भीमखेड़ा में भी एक हेलिपेड बनाया गया है। यहां भी एक चार का गार्ड, एम्बुलेंस और दमकल की व्यवस्था की गई थी। शुक्रवार शाम को बारात पहुंची तो गांववालों ने मिलकर बारातियों का स्वागत किया। हाथी-घोड़े, चार बैंड, 50 कार से प्रोशेसन निकाला गया। शनिवार को सुबह 8 बजे बारात विदा होगी। शनिवार सुबह उज्जैन के सावराखेड़ी में हेलिकॉप्टर दुल्हन को लेकर उज्जैन पहुंचेगा।

वकील को 6 घंटे बंधक बनाए रहे, 16 लाख हड़पे

पार्सल में एमडी ड्रग होने का कहकर डिजिटल अरेस्ट किया

ग्वालियर (नप्र)। ग्वालियर में साइबर क्रिमिनल्स ने एक वकील को डिजिटल अरेस्ट कर 16 लाख रुपए हड़प लिए। बदमाशों ने उन्हें उनके पार्सल में एमडी ड्रग होने और 2 करोड़ रुपए की मनी लॉन्ड्रिंग के नाम पर 6 घंटे तक बंधक बनाए रखा।

घटना 8 अक्टूबर की है। बदमाशों ने उन्हें नया बैंक अकाउंट खुलवाकर 16 लाख रुपए जमा करने को कहा था। यह सब करने के बाद उन्होंने अपने एक जान-पहचान वाले से इसका जिक्र किया, तब उसने उन्हें बताया कि ऐसा कुछ नहीं होता। हालांकि, तब तक बदमाश अकाउंट से रकम निकाल चुके थे। इसकी शिकायत उन्होंने गुरुवार, 21 नवंबर को क्राइम ब्रांच थाने पहुंचकर की।

पहले कोरियर सर्विस का कर्मचारी बन बात की- पीड़ित वकील ने अपनी पहचान उजागर नहीं करने की शर्त रखते हुए बताया कि 8 अक्टूबर की दोपहर 1.30 बजे उनके मोबाइल नंबर पर 9520352162 से कॉल आया। बात करने वाले ने खुद को बीएचएल कोरियर सर्विस कंपनी का कर्मचारी राहुल शर्मा बताया। बताया कि उनके आधारकार्ड से एक पार्सल बीजिंग के लिए बुक किया गया है। कस्टम ने इसे पकड़ लिया है। इसमें 400 ग्राम एमडी ड्रग, 12 डेबिट कार्ड और दूसरी गैर कानूनी चीजें हैं।

मुंबई क्राइम ब्रांच का कहकर कॉल कर दी ट्रांसफर

वकील ने जब कहा कि उन्होंने ऐसा कोई पार्सल बुक नहीं किया है, तो ठग कहने लगा कि उनके आधार कार्ड का कोई मिसयूज कर रहा है। आप इसकी शिकायत करिए। इतना कहकर उसने कहा कि मैं आपकी कॉल मुंबई क्राइम ब्रांच ट्रांसफर कर रहा हूं। अब यह कॉल दूसरी जगह ट्रांसफर हो चुकी थी। सामने वाले ने खुद को मुंबई क्राइम ब्रांच का अधिकारी बताते हुए वकील से कहा कि सुरेश गोयल मनी लॉन्ड्रिंग केस में छापे के दौरान 247 डेबिट कार्ड मिले हैं, 1 उनका है। अब तक 47 लोग जेल के अंदर जा चुके हैं।

क्राइम ब्रांच के बाद सीबीआई की एंट्री

अब तक जो अपने आप को क्राइम ब्रांच का बता रहा था, उसने यह कहकर कॉल ट्रांसफर कर दी कि अब आपसे बात सीबीआई करेगी। खुद को सीबीआई का अधिकारी बताने वाले ठग ने वकील से कहा कि उनके खिलाफ करीब दो दर्जन केस दर्ज हो सकते हैं। बैंक अकाउंट भी सील हो सकता है। उसने सलाह दी कि सरकार के निर्देश पर नया खाता खुलवा लो। वकील के मुताबिक, वे काफी घबरा गए थे, कुछ समझ नहीं आ रहा था। ठगों से उन्होंने कहा कि ठीक है खाता खुलवा लूंगा, तो उन्होंने कहा कि आप खुद से खाता मत खुलवाओ, हम खुलवाकर देते हैं, इसमें 16 लाख रुपए जमा करा देना। वकील ने ऐसा ही किया।

नहीं करने दी किसी से बात, कॉल डिस्कनेक्ट होने पर फटकारा

ठगों ने वकील को इतना डरा दिया था कि वे वीडियोकॉल पर डिजिटल अरेस्ट रहे। दो बार कॉल नेटवर्क के इश्यू के कारण डिस्कनेक्ट हुआ, तो उन्हें फटकार भी लगाई।

ठगों से ये रखें सावधानी- साइबर एक्सपर्ट धर्मेंद्र शर्मा और हरेंद्र सिंह राजपूत का कहना है कि डिजिटल अरेस्ट जैसा कुछ नहीं होता। आपको ऐसा कॉल आता है, तो इसकी जानकारी तुरंत पुलिस को दीजिए।

भोपाल में पीएससी की कोचिंग फ्री

प्री-टेस्ट के लिए 990 स्टूडेंट्स ने कराया रजिस्ट्रेशन; पास होने वाले 150 को मिलेगा मौका

भोपाल (नप्र)। भोपाल में यूपीएससी (संघ लोक सेवा आयोग) और एमपीपीएससी (मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग) की फ्री कोचिंग के लिए इतने रजिस्ट्रेशन हो गए हैं कि अब स्टूडेंट्स को टेस्ट देना पड़ेगा। टेस्ट का फॉर्मेट एमपीपीएससी प्रीलिम्स जैसा ही होगा।

फ्री कोचिंग की कुल 150 सीटों के लिए 900 स्टूडेंट्स ने रजिस्ट्रेशन कराया है। ये रजिस्ट्रेशन अक्टूबर में किए गए थे। इस हिसाब से हर 6 आवेदकों में से 1 को ही सिलेक्ट किया जाएगा।

दरअसल, कई युवा ऐसे हैं, जो कॉम्पिटीटिव एग्जाम की तैयारी तो कर रहे हैं लेकिन महंगी फीस की वजह से कोचिंग नहीं कर पाते हैं। ऐसे युवाओं के लिए भोपाल जिला प्रशासन फ्री में कोचिंग शुरू कर रहा है। ज्यादा रजिस्ट्रेशन हो जाने की वजह से 24 नवंबर को टेस्ट कराया जाएगा। कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रह्याम सिंह ने बताया-भोपाल के ऐसे युवा, जो यूपीएससी और एमपीपीएससी की तैयारी कर रहे हैं, उनके लिए फ्री कोचिंग क्लासेस शुरू कर रहे हैं। दिसंबर से कोचिंग की शुरुआत हो जाएगी।फ्री कोचिंग के लिए अक्टूबर में कुल 990 बच्चों ने रजिस्ट्रेशन कराया था।

अफसर पढ़ाएंगे, विषय विशेषज्ञ भी आएंगे- फ्री कोचिंग में स्वयंसेवी संस्थाओं से जुड़े लोगों और कॉलेज के प्रोफेसर्स की भी मदद ली जाएगी। कोचिंग भोपाल के हमीदिया आर्ट्स एवं कॉमर्स कॉलेज में शुरू होगी। ऐसे अफसर जो बच्चों को पढ़ाने में रुचि रखते हों, वे एक से दो घंटे की नियमित क्लास लेंगे। इसके अलावा ऐसे लोग जो विषय विशेषज्ञ हैं और पढ़ाना चाहते हैं, वे भी आएंगे।

एनजीओ की मदद से शुरू होगी क्लास- यह कोचिंग एनजीओ 'आदर्श परिवार एवं आधुनिक नालंदा' के सहयोग से शुरू की जा रही है। एनजीओ से जुड़े राम लखन मीणा ने बताया-सिविल सेवा की फ्री कोचिंग के लिए 18 से 25 अक्टूबर तक रजिस्ट्रेशन किए गए थे। 990 बच्चों